दैनिक
भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित
डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24
web- www. bhaskardoot.com

सीएम साय और रमन ने थामा राइफल

◆ वर्ष-11 ◆ अंक - 266 रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, रविवार 06 अक्टूबर 2024 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुपये

हमर छत्तीसगढ़

पृष्ठ संयोजन
- अरविंद मिश्र रायपुर

छत्तीसगढ़ के 36 देवियाँ और लोक आस्थाएं

छत्तीसगढ़ की 36 देवियाँ अपने प्राचीनतम इतिहास, पौराणिक कथाओं, किवंदतियों, जनश्रुतियों, स्वप्न दृष्टियों लोकदृष्टियों के साथ लोगों की मनोकामनाएं पूर्ति करती रही है। आज भी लोग इन्हें श्रद्धा विश्वास व बड़े मान्यताओं के साथ पूजते रहे हैं। आइए इनसे जुड़े कुछ तथ्य को जानते हैं -

(1) मां बम्लेश्वरी - यह मंदिर 200 वर्ष पुराना है । प्राचीन काल में इसे कामाख्या नगरी, डूंगराख्या, डूंगरगढ़ वर्तमान में डोंगरगढ़ के नाम से जाना जाता है। इसका इतिहास कलचुरी कालीन 12वी, 13वीं सदी ईसवी के लगभग का पाया जाता है। राजा वीरसेन कामसेन से संबंधित है। माधवानल , कामकंदला नर्तकी का प्रेम प्रसंग विख्यात रहा । यहां गोंडवाना संस्कृति की छाप वास्तुकला से माना जाता है । चैत्र क्वार माह के नवरात्रि में भव्य मेला लगता है। देवी पर्वत पर विराजमान है।

(2)करेला भवानी- यह जिला राजनांदगांव के करेला भण्डारपुर में स्थित है। यहां एक कन्या का दर्शन श्वेत वस्त्र के साथ नारायण सिंह कंवर ने किया था । कन्या गांव से जंगल की ओर चली गई, जाकर देखा तो मोकड़या झाड़ी में बैठी मिली। देवी ने बातचीत के दौरान मंदिर बनाने की मांग की। बनाने शुरू किया तो उस स्थान पर पाषाण प्रतिमा निकली , जिसे भवानी नाम देकर पहाड़ी में स्थापित कर दिया गया। यहां घने जंगल और प्राकृतिक सौंदर्य का सुंदर नजारा है। नवरात्र के दोनों पक्ष में श्रद्धालु जोत जलाते हैं।

(3) चंडी माता बागबहरा - यह महासमुंद जिला के घुंचापाली गांव में स्थित है। माता की प्राकृतिक प्रतिमा विराजित है। बताया जाता है की प्रतिमा हर साल बढ़ रही है ,वर्तमान में 9 से 10 फीट ऊंची है यह खुद प्रकट हुई थी। यहां भालू प्रसाद लेने आते हैं देवी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती है।

(4) पाताल भैरवी - राजनांदगांव शहर के मुख्य मार्ग से लगा माता काली के रौद्र रूपी मूर्ति लगभग 15 फीट ऊंची स्थापित किया गया है। इसका निर्माण 4 अप्रैल 1998 को किया गया है यह मंदिर तीन स्तरों पर बना है नीचे प्रथम तल पाताल भैरवी, दूसरा त्रिपुर सुंदरी तीर्थ ,तीसरे अंतिम शीर्ष पर शिव की विशाल प्रतिमा स्थापित किया गया है। ऊपर शिवलिंग 108 फीट ऊंचा है बड़ा सा नंदी बैल मंदिर के सम्मुख विराजित है। यहां शरद पूर्णिमा में औषधि युक्त खीर बटता है।

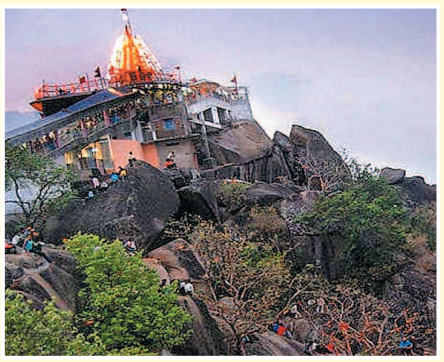

(5) माता खल्लारी 'महासमुंद - मान्यता के अनुसार महाबली भीम और राक्षसी हिडिंबा का विवाह यहां संपन्न हुआ था। इसे भीम खोज के नाम से भी जाना जाता है ।लोगों का कहना है पास के एक गुफा में देवी माता की उंगली का निशान है । खल्लारी के बाजार में माता घूमने कन्या रूप में आती थी। यहां सुरम्य और दर्शनीय स्थल है।

(6) मां दंतेश्वरी- दंतेवाड़ा की माता दंतेश्वरी देश भर में काफी विख्यात है। इसे देश का 52वा शक्तिपीठ माना जाता है। इसका निर्माण राजा अन्नमदेव ने करीब 850 साल पहले कराया था। यह डंकिनी शंखिनी नदी के संगम पर स्थित है। यहां बलि प्रथा सदियों पुरानी है ,अब सख्त कानून के कारण बंद कर दिए गए हैं । तांत्रिकों का साधना स्थल माना जाता है। यह आदिवासी बाहुल्य इलाका है । यहां के जनजाति लोग इसे अपना आराध्य कुलदेवी के रूप में भी मानते हैं।

(7) हिंगलाज भवानी - हिंगलाज भवानी देवसागर, भटगांव जिला बलौदा बाजार में स्थित है ।इसका संबंध सारंगढ़ के राजा से रहा है। यहां भक्तों की मुरादे पूरी होती हैं ।हिंगलाज माता की मुख्य मंदिर पाकिस्तान बलूचिस्तान में है।

(8) मुंगई माता मंदिर- बावनकेरा महासमुंद यह स्थल चारों ओर घने वनों से घिरा वातावरण रमणीय स्थल है ।दुर्गा को स्वप्न देवी के रूप में पूजा जाता है ,यहां भी घुंचापाली की तरह भालू प्रसाद लेने आते हैं।

(9) चंडी माई 'बिरकोनी - महासमुंद रायपुर से 60 किलोमीटर एक शक्तिपीठ जहां चंडी माता वास करती है ।मां की मूल निवास भोरिंग को माना जाता है । देवी गांव से अपमानित महसूस कर अपने दो बालकों के साथ चली गई ,गांव के लोग वापस आने का निवेदन किया तो देवी ने शर्त रख दी जितने कदम आए हो उतने नारियल भेंट कर दो यहां वैसा आज तक नहीं हो सका। माता निः संतानों की सुनी गोद भर्ती है।

(10) रायगढ़ की बूढ़ी माई - नगर देवी बूढ़ी माई करवला तालाब के पास लगभग 150 वर्ष पहले से स्थापित है ।पहले यहां भी घना जंगल था । देवी को सात बहनों में सबसे बड़ी बहन मानी जाती है साढ़े आठ एकड़ जमीन पर विस्तारित है ।2012 में यह मंदिर पूर्ण किया गया । इसका संबंध बिहार की बूढ़ी माई से मिलता है ।हिंदू मुस्लिम एकता का मिसाल तालाब में मुस्लिम अपना ताजिया विसर्जन करते थे।

(11) मां चंद्रहासिनी - जांजगीर-चांपा जिले की छोटी सी पहाड़ी पर ऊपर विराजित है माता चंद्रहासिनी। चंद्रमा के आकार की मूर्ति है ,मैदान में चलती हुई झांकी महाभारत काल को जीवंत तरीके से दर्शाती है ।इसकी किवंदतियाँ संबलपुर के राजा से मिलता है देवी ने चंद्रसेनी राजा को गलती से चोट लगने पर स्वप्न देकर मूर्ति स्थापित करने को कहा ।यहां 108 दीपों की पूजा की जाती है।

(12)नाथलदाई- यह मां चंद्रहासिनी देवी की बहन मानी जाती है ।यह उनसे एक किलोमीटर की दूरी पर महानदी के तट पर स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार बताया जाता है कि इस जगह माता सती की नथली गिरा हुआ था। इसलिए इसे नाथल दाई के रूप में जाना जाता है।

(13) रायपुर के बंजारी - जिले के बिरगांव , रांवाभाठा नामक स्थान में स्थापित है ।यह बंजर जमीन में खुदाई के दौरान सुपारी के बराबर मूर्ति मिली थी ।जिसे यहां स्थापित किया गया जिसकी आकृति प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है यह मूर्ति बंजारा जाति के लोगों की कुलदेवी मानी जाती है। 40 वर्ष पहले भव्य मंदिर के रूप में स्थापित हुई।

(14) रतनपुर के महामाया - 12वीं 13वीं शताब्दी में बना यह मंदिर देवी महामाया को समर्पित है। रत्नपुर के कलचुरी के शासन काल के दौरान बनाया गया था ।यहां राजा रत्नदेव ने देवी काली के दर्शन किए थे। मंदिर का निर्माण विक्रम संवत 1552 में हुआ था ।यहां देवी रतनपुर राज्य की कुलदेवी है ।यह नागर शैली वास्तुकला में बनाया गया है।

(15) मरही दाई - बिलासपुर कटनी रेल लाइन के पास मरही माता मंदिर है। यहां रेल हादसों से लोगों की रक्षा करती है। रेलवे और वन विभाग के कर्मचारियों ने यह मंदिर मिलकर बनवाया है। साल 1984 में इंदौर बिलासपुर रेल हादसे के बाद बनाया गया यहां मन्नते पूरी होने पर बलि देने की प्रथा है। किंतु नवरात्रि में बली नहीं दी जाती।

(16) अंगारमोती- धमतरी गंगरेल बांध में मछुआरों की जाल में फंस कर निकली थी अंगारमोती । माता का पैर गंगरेल में वही रुद्री के सीताकुण्ड में माता का धड़ स्थापित किया गया है। पुजारी जगदीश राम नेताम के अनुसार मूर्ति को चोर ने चोरी कर बांध में फेंक दिया था ।जो बस्तर की धापचावर गांव के माता थी।

(17) बिलई माता 'विंध्यवासनी धमतरी शहर की नगर देवी मां बिलाई माता शहर में स्थित है। यहां घना जंगल था ।किसी समय में राजा के घोड़े ठहर गए, आगे नहीं बढ़े खोजबीन में पत्थर की दोनों ओर अत्यंत डरावनी बिल्लियां बैठी मिली राजा ने सेना को आदेश देकर भगाने की कोशिश की किंतु बिल्लियां पत्थर के बाहर आने की बजाय वहीं बैठी रही, पत्थर से जलधारा फूट पड़ी प्रयास व्यर्थ रहा। राजा ने पूजा अर्चना कर दूसरे दिन वही देवी की स्थापना करवा दी।

(18) जतमई माता - जिला गरियाबंद में यह देवी विराजित है। इसका मुख्य कारण यहां लोगों द्वारा भगवान पर किए गए अपार श्रद्धा भक्ति है ।यहां मंदिर बाद में बनवाया गया मुख्य रूप से जलप्रपात के लिए जाना जाता है। यहां जलप्रपात माता की सेविका है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरा चैत्र क्वार में मेला लगता है। यहां स्थानीय ग्रामीणों की आराध्य देवी है।

(19) मां घटारानी - क्षेत्र की डिहवारीन जतमई माता मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थापित है ।यह लोगों के पालतू जानवर वस्तु या मनुष्य के खो जाने पर माता को विनती करने पर वापस लौटाती है ।लोगों की मन्नतें पूरा करने वाली देवी है।

(20) माता कुदरगढ़ीन - सूरजपुर जिले में यह मां भगवती की तपस्वी स्थल रही है। जहां माता ने शक्ति का रूप धारण कर राक्षसों का संहार किया था। जंगल में खुले स्थान पर वटवृक्ष के नीचे माता बागेश्वरी विराजमान है 18वीं सदी में चौहान राजाओं ने यहां के मूल आदिवासी बैगा जनजाति को देखरेख की जिम्मेदारी सौंपा था।

(21) महामाई सूरजपुर - सूरजपुर से 4 किलोमीटर दूर यहां के लोगों को महामाई पर महान विश्वास है। प्रमुख प्रसिद्ध सबसे पुराना मंदिर है। भैया बहादुर इंद्र प्रताप सिंह ने यहां मूर्ति बनारस से लाई थी। मंदिर स्थापना के बाद उनके पुत्र का जन्म हुआ था ।सन 1912- 13 में 3? फीट 100 किलोग्राम वजनी महामाई का मूर्ति स्थापित किया गया।

(22) खुड़िया माता- जसपुर माता की प्राचीन समय में गुफा के अंदर ही पूजा होती थी एक बार जब पुजारी बैगा अपने औजार भूल गए और दोबारा लाने गए तब वहां का कपाट बंद हो गया ।आज गुफा के बाहर ही पूजा अर्चना की जाती है। यह 300 फीट ऊंचा 100 मीटर लंबी गुफा में 200फीट ऊंची मां खुड़िया रानी की प्रतिमा अंदर जलधारा में विराजित है ।पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के लोग इन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं । खुड़िया दीवान क्षेत्र के रियासत का हिस्सा था।

(23)मड़वा रानी - कोरबा जिले से 22 किलोमीटर चांपा रोड पहाड़ी की चोटी पर है। अविवाहित स्वरूप में यहां देवी मानी जाती है ।यहां माता शादी के मंडप छोड़कर आ गई थी और कलमी पेड़ में वास करने लगी। उनके शरीर से हल्दी पेड़ से पत्थर पर गिरा वहां पीला हो गया कलमी के पेड़ में खुद उग जाते हैं ज्वारे।

(24) सियादेवी माता - बालोद से 25 किलोमीटर नारागांव यहां पर त्रेता युग की कथाएं हैं। सीता माता ने सती के रूप में श्री राम से परीक्षा ली थी और राम उन्हें पहचान लिए थे। माता सीता लव कुश के साथ यहां रहे हैं। यहां सीता के चरण के निशान मिलता है यहां स्थान महर्षि वाल्मीकि के तपोभूमि के रूप में भी प्रसिद्ध है।

(25) बालोद के गंगा मैया - यहां की कहानी 130 साल पुरानी है ।झलमला की आबादी महज 100 के आसपास थी ।सिवनी गांव का एक केवट मछली पकड़ने गया था ,मछली के जगह पत्थर की प्रतिमा फंस गई केवट ने फिर उसे तालाब में फेंक दिया। बाद में गोंड जाति के बैगा को माता ने सपने में कहा मैं जल में पड़ी हूं ,मुझे जल्दी निकालो प्राण प्रतिष्ठा करवाओ बैगा ने मालगुजार को जानकारी दिए । तालाब में जाल फेंक कर निकाला गया गया। वर्तमान में जहां प्रतिमा है वहां तालाब हुआ करता था।

(26)गंगई माता - माता गंगई प्राचीन मंदिरों में से एक है ।यहां शासको का गढ़ रहा है । मान्यता है कि,मां गंगई कवर्धा में प्रकट हुई थी। और गंडई लोहारा में विश्राम कर रही थी ।वहीं रुक गई इसलिए मंदिर का निर्माण गंडई में किया गया। किवंदती के अनुसार ग्राम के किसान खेत में कीड़े मकोड़े की प्रकोप से परेशान थे ,माता से प्रार्थना कर मंदिर के जल को खेतों में छिड़काव किया गया जिससे कीट प्रकोप से मुक्ति पाई ।तब से क्षेत्र के कृषक माता की पूजा अर्चना पश्चात ही बुवाई करते हैं ।सहसपुर लोहारा में मंदिर पास बावली है जो वास्तु कला का बेजोड़ नमूना है।

(27) अष्टभुजी माता - जांजगीर चांपा , के अड़भार में मां अष्टभुजी का मंदिर है। यहां पांचवी, छठवीं शताब्दी के अवशेष इस स्थान पर मिलते हैं। इतिहास में अड़भार का उल्लेख अष्ट द्वारा के रूप में मिलता है। देवी दक्षिण मुखी विराजित है। शक्ति से 11 किलोमीटर दूर ग्रेनाइट पत्थर की आदमकद मूर्ति दो विशाल इमली पेड़ के नीचे बना है। मंदिर में आठ विशाल दरवाजा की वजह से शायद इसका प्राचीन नाम अड़भार हो गया। यहां घरों की नींव खोदते समय आज भी टूटी-फूटी मूर्तियां, सोने चांदी के सिक्के मिलते हैं।

(28) बेमेतरा की शक्ति माता - बेमेतरा की कुलदेवी है भद्रकाली। यह मंदिर बेमेतरा की पहचान है। मान्यता है की मां भद्रकाली एक भक्त के सपने में आई थी जिसके बाद मंदिर का निर्माण करवाया गया था।

(29) चैतुरगढ़ महिषासुर मर्दनी- चैतुरगढ़ को छत्तीसगढ़ का कश्मीर कहा जाता है। 3000 फीट की ऊंचाई पर मां महिषासुर मर्दिनी का दरबार है। इस मंदिर का निर्माण 14वीं शताब्दी में कल्चुरी शासको ने कराया था ।12 हाथ की मूर्ति है सातवीं शताब्दी में वाणवंशीय राजा मल्लदेव ने महिषासुर मर्दिनी मंदिर का जीर्णोधार करवाया था ।अब किला को पुरातत्व विभाग ने संरक्षित कर लिया है ।तीन प्रवेश द्वार मेनका, हुमकारा, और सिंह द्वार है।

(30) कौशिल्या माता - राजधानी रायपुर से 17 किलोमीटर चंदखुरी में भगवान श्री राम का ननिहाल, एक प्राचीन मंदिर है। जिसे दसवीं शताब्दी में बनवाया गया था ।यह मंदिर तालाब के बीचो-बीच है। कौशल्या माता श्री राम को गोद में लिए हुए हैं राजा भानुमंत ने बेटी कौशल्या को 10,000 गांव दिए थे ।प्राचीन नाम चंद्रपुरी था, मंदिर सोमवंशी राजाओं के द्वारा बनाई गई है।

(31) कोरबा के सर्वमंगला - यह 122 साल पुराना है, प्रसिद्ध सर्वमंगला मंदिर हसदेव नदी के तट से लगा हुआ है ।यह मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है दीवारों में अलग-अलग रूपों को खूबसूरती से बनाया गया है। भक्त वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधते हैं ।निर्माण राजेश्वर दयाल की पूर्वजों द्वारा कराया गया था। स्थापना 1898 के आसपास हुआ। एक गुफा नदी के नीचे जाता है जो दूसरी तरफ निकलता है।

(32) बेमेतरा के सिद्धि माता - बेमेतरा ब्लाक के ग्राम सडी स्थित मां सिद्धि के मंदिर में हर साल होली के दूसरे दिन से 13तेरस तक मन्नत पूरी होने पर बकरे की बलि दी जाती है। यह सिलसिला 1965 से चली आ रही है की। जनश्रुति है कि जिनके बच्चे नहीं होते, नौकरी के लिए परेशान रहते हैं उनकी कामना एक साल के भीतर जरूर पूरी होती है। ग्राम डंगनिया निवासी जीवन साहू के अनुसार जब 1965 में अपने ससुराल सैंडी गया था उस समय उसे सपने में देवी की प्रतिमा दिखाई दी दूसरे दिन जाकर देखा तो देवी सोई अवस्था में थी। सपना के आधार पर उसने नौकरी व बच्चे मांगे जो एक वर्ष में के भीतर पूरी हो गई। वह बकरे की बलि दी। अंधविश्वास भी नहीं कह सकते क्योंकि लोगों की आस्था का सवाल है।

(33) रायगढ़ की अम्बे माई - 1400 साल पहले इस मंदिर का निर्माण हैहयवंशी राजाओं ने तंत्र साधना के लिए करवाया था। यहां कुंवारी कन्या ज्योति प्रज्वलित करती है।

(34) अम्बे भवानी टीकरापारा - यह मंदिर धरमजयगढ़ के राजा धर्मपाल से संबंधित है। इसे राजाओं की कुलदेवी के रूप में पूजते हैं। लोग दर्शन के लिए आते रहते हैं।

(35) महामाया मंदिर कवर्धा - 200 वर्ष पुराना है डोंगरिया के महामाया मंदिर व तालाब। स्वयंभू भगवान शिव शक्ति सह परिवार विराजमान है। मध्य प्रदेश से लमान जाति के लोग गेरू बेचने आते थे। बदले में गाय बछड़ा पैसा लेते थे, उसी समय लमान जाति के परिवार से डोंगरिया गेरू बेचने आए थे कुष्ठ रोग था, गांव के छोटे डबरी में वह हाथ धोएं कुष्ठ ठीक हो गया। प्रभावित होकर ग्रामीणों ने डबरी को तालाब खुदवाए। जहां भगवान शंकर, पार्वती गणेश, कार्तिक के अद्वितीय दिव्य प्रतिमा मिले प्रतिमा को वहीं विराजित करना पड़ा। श्रद्धालु महिला भाजा बाई सन 1982 में झोपड़ी के स्थान पर मंदिर बनवाया।

(36) बंजारी माता रायगढ़ - जिले से 20 किलोमीटर दूर भव्य सुंदर माता बंजारी का मंदिर है। आस्था का केंद्र स्थल है यहां सुंदर गार्डन भी है। इसका नवनिर्माण 1980 में करवाया गया यहां पर शैल चित्रों का बहुत खूबसूरत प्रयोग किया गया है । यहां माता के दर्शन के साथ-साथ लोग वातावरण का भी सुखद आनंद लेते हैं।

नवरात्रि के नौ दिनों में दैवीय तत्त्व अन्य दिनों की तुलना में 1000 गुणा अधिक सक्रिय रहता है । इस कालावधि में दैवीय तत्त्व की अतिसूक्ष्म तरंगें धीरे-धीरे क्रियाशील होती हैं और पूरे ब्रह्मांड में संचरित (फैल जाती हैं) होती हैं । उस समय ब्रह्मांड में विद्यमान अनिष्ट शक्तियां नष्ट होती हैं और ब्रह्मांड की शुद्धि होने लगती है । दैवीय तत्त्व की शक्ति का स्तर प्रथम तीन दिनों में सगुण-निर्गुण होता है । उसके उपरांत उसमें निर्गुण तत्त्व की मात्रा बढ़ती है और नवरात्रि के अंतिम 3 दिन इस निर्गुण तत्त्व की मात्रा सर्वाधिक होती है ।

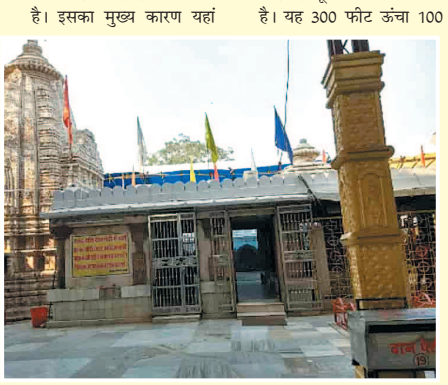

अतिथि संपादक
यशवंत चौधरी

सर्वांगीण विकास के लिए हर विधा में पारंगत होना जरूरी: टंकराम वर्मा

रायपुर प्रेस क्लब, रायपुर पुलिस और जनसंपर्क विभाग का संयुक्त आयोजन

भास्कर दूत

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब, रायपुर पुलिस और छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री टंकराम वर्मा ने किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में सर्वांगीण विकास के लिए हर विधा में पारंगत होना जरूरी है.

- पत्रकारों के लिए आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ
- 9 अक्टूबर को होगा समापन, मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है और मीडिया के लोग तो वैसे हर क्षेत्र में पारंगत होते हैं, लेकिन यह बहुत ही खास अवसर है कि वे शूटिंग जैसे खेल में भी रुचि दिखा रहे हैं. पत्रकारों के लिए रायपुर प्रेस क्लब का यह प्रयास बहुत ही सराहनीय है.

रायपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निजात अभियान पर बोलते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि आज देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, लेकिन सांस्कृतिक पतन भी हुआ है. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि हमने शिक्षा को लिया, लेकिन संस्कार को छोड़ दिया. इसके कारण सारी बुराईयां फिर से घर कर गई हैं. उन्होंने कहा कि, शिक्षा से पहले संस्कार जरूरी है. हमारे बच्चे संस्कारित होंगे तो नशे और अपराध से दूर रहेंगे. हम अपने बच्चों की शिक्षा में जितना समय देते हैं, उतना समय हमें उनको संस्कारित बनाने पर भी देना चाहिए. तभी हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकेंगे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार डा. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी है, लक्ष्य के प्रति एकाग्र होना और जिस खेल को आपने प्रतियोगिता के लिए चुना है, उसमें एकाग्रता सबसे महत्वपूर्ण है. जिस पेशे में हम हैं, उसमें भी एकाग्र होना बहुत जरूरी है. इसलिए पूरी ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र होकर काम करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से छत्तीसगढ़ की आबोहवा बिगड़ी है. यह आबोहवा इसलिए बिगड़ी, क्योंकि एक पूरी की पूरी पीढ़ी नशे की ओर बढ़ी है. इस पर बेहद संजीदगी से काम करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि पत्रकार साथी अपनी कलम के माध्यम से नशे की खिलाफ चल रही मुहिम को आगे बढ़ाएंगे.कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि यह ट्रिपल पी यानी प्रेस, पुलिस और पालिटीशियन का आयोजन है. इसमें एक और पी प्रशासन भी जुड़ गया है. अगर ये चारों जुड़ गए हैं तो कोई दुश्मन नहीं बचेगा. प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पत्रकारों को शूटिंग जैसे रोमांचक खेल का अनुभव कराने यह शूटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. इसमें पत्रकार बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, यह बेहद खुशी की बात है. कार्यक्रम को जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मयंक श्रीवास्तव, रामदास द्रौपदी फाउंडेशन के चेयरमैन सुनील रामदास, जिंदल स्टील एंड पावर के प्रेसिडेंट कार्पोरेट अफेयर्स प्रदीप टंडन और आईडीबीआई बैंक के महाप्रबंधक आशीष त्रिपाठी ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में प्रेस क्लब के महासचिव डा. वैभव शिव पांडेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी समेत बड़ी संख्या में पत्रकार और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे.

एसएसपी बोले, लगाना है– नशे पे निशाना

रायपुर एसएसपी डा. संतोष सिंह ने कहा कि, पुलिस के साथ सभी लोग नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे हैं. मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की भी इसमें विशेष रुचि है. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि, जब हम शूटिंग प्रतियोगिता में निशाना लगाएं तो यह सोचकर लगाएं कि नशे पर निशाना लगा रहे हैं. इससे यह आयोजन सार्थक बन पाएगा. इस अवसर पर उन्होंने 'नशे पे निशाना' का स्लोगन भी दिया.

प्रतिभागियों के लिए जारी किया गया समय

प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए प्रदेशभर के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है. 4 अक्टूबर को उद्घाटन के बाद पूरे दिन प्रतिभागियों को अभ्यास कराया गया है. 5 अक्टूबर से प्रतियोगिता शुरू होगी. सभी प्रतिभागियों के लिए शूटिंग का समय निर्धारित कर दिया गया है. सभी प्रतिभागी अपने-अपने समय पर पुलिस लाइन स्थित एकलव्य शूटिंग रेंज पहुचेंगे और प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे. प्रतियोगिता का समापन 9 अक्टूबर को होगा. समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे.

दुर्गा पूजा पंडालों में नहीं बजेंगे म्यूजिक सिस्टम

गरबा के लिए भी रात 10 बजे तक तय किया गया समय, जारी हुआ गाइडलाइन

भास्कर दूत

रायपुर। दुर्गा पूजा के दौरान प्रशासन ने म्यूजिक (डीजे) बजाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही आयोजकों को खुद ही बाउंसर, वालेंटियर, सुरक्षा गार्ड तैनात करना होगा।

गुरूवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले ने रास गरबा आयोजक समिति के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सिविल लाइन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में हुई बैठक में पटले ने रासगरबा आयोजकों को अपने-अपने आयोजन के संबंध में संबंधित थाना क्षेत्र में सूचना देने के साथ ही आयोजन स्थल पर प्रवेश के पूर्व सभी की जांच-पड़ताल भी करने को कहा।

एएसपी सिटी लखन पटले ने कहा कि रास-गरबा के दौरान डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा। साउंड सिस्टम को हाईकोर्ट की गाइडलाइन के तहत निर्धारित डेसीमल,समय सीमा तक ही बजाया जा सकेगा। इसके बाद भी कोई डीजे का इस्तेमाल करता है तो उसके खिलाफ वैधानिक कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही डीजे,साउंड सिस्टम को जब्त कर लिया जायेगा।

आयोजकों के क्षमता के अनुरूप ही प्रवेश पास बांटने के निर्देश दिए गए, जिससे प्रवेश के दौरान विषम स्थिति निर्मित न हो। आयोजन स्थल में पार्किंग की प्रर्याप्त व्यवस्था भी होना चाहिए,ताकि सड़क पर वाहन पार्क न हो और जाम की शिकायत न आए। रासगरबा के दौरान किसी भी प्रकार की फुहड़ता का प्रदर्शन और नशे का सेवन नही होना चाहिए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय तरीके से आयोजित हो।

माँ चंद्रहासिनी मंदिर का वीडियो सीएम साय ने किया शेयर

भास्कर दूत

रायपुर। । माँ चंद्रहासिनी मंदिर का वीडियो CM साय ने शेयर किया है। ।। जय माँ चंद्रहासिनी ।। पवित्र शारदीय नवरात्रि के तृतीय दिवस पर आइए दर्शन करें, चंद्रपुर स्थित माँ चंद्रहासिनी के माँ चंद्रहासिनी की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे।

शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि मां चंद्रघंटा को समर्पित मानी जाती है। 05 अक्टूबर 2024 को नवरात्रि की तीसरा दिन है। मान्यता है कि इस दिन देवी दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की विधिवत पूजा-अर्चना करने से जीवन के समस्त दुखों से छुटकारा मिलता है और साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। मां चंद्रघंटा का आशीर्वाद पाने से साधकर निर्भय और पराक्रमी होता है। मां चंद्रघंटा का स्वरूप स्वर्ण के समान चमकीला है। मां के तीन नेत्र और 10 हाथ हैं। शेर पर सवार देवी अपने हाथों में गदा, बाण, धनुष, त्रिशूल, खड्ग, कमल, चक्र इत्यादि लिए रहती हैं। मां चंद्रघंटा की मुद्रा युद्ध मुद्रा है। मां के सिर पर रत्नों से जड़ा एक मुकुट भी विराजमान है।

सार समाचार

सीएम साय ने किया शुभारंभ, जवानों के साहसिक कारनामे शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नो योर आर्मी कार्यक्रम का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर दिया है। इस आयोजन में लगभग 500 जवान सैन्य बलों का रणनीतिक कौशल दिखाएंगे। भीष्म टैंक, 950 गोलियां दागनी वाली राइफल और 50 से ज्यादा हथियारों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भारतीय सेना खुखरी डांस दिखाएगी और छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हो रहा है। दंतेवाड़ा के बच्चे सेना के साथ घुड़सवारी करेंगे। बड़ी संख्या में दर्शक साइंस कॉलेज मैदान पहुंच चुके हैं।

कार के इंजन में लगी आग

रायपुर। देर रात एक चलती कार में आग लग गई। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक कार कालीबाड़ी से घड़ी चौक की ओर जा रही थी। तभी सुभाष स्टेडियम के पास पहुंचते ही इंजन भाग में आग भभक पड़ी है। फिलहाल इस घटना में जनहानि होने की खबर नहीं है। घटना देर रात 12 बजे के बाद की बताई जा रही है।

हजारों रुपए का सिगरेट लेकर युवक फरार

रायपुर । गनपत चौक हीरापुर स्थित जैन किराना दुकान से अज्ञात व्यक्ति ने 15 हजार से अधिक का सिगरेट लेकर पैसे का भुगतान नहीं किया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी खेमराज सिन्हा 56 वर्ष जैन किराना दुकान कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि 25-30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी के दुकान में आया और 15440 रुपए का सिगरेटट खरीद कर पेटीएम नहीं हो रहा है कहा। जिसे अपने परिचित के फोन पर पेमेंट करने कहने पर आरोपी ने पेमेंट हो गया कह कर सामान लेकर निकल गया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

रायपुर एसएसपी ने दुर्गा पूजा के दौरान अतिरिक्त फोर्स लगाने के निर्देश

भास्कर दूत

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा गरबा व दुर्गा पूजा संबंधित राजपत्रित अधिकारियों की पुलिस कंट्रोल रूम में देर रात ग्यारह बजे बुलाकर औचक मीटिंग ली। पूजा दौरान एएसपी ट्रैफिक ओपी शर्मा को अधिकतम बल लगाने को कहा, विशेषकर गरबा स्थल के पास गाड़ियों की पार्किंग व्यवस्थित करने को कहा।

आयोजकों के स्वमसेवियों के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाएं व बड़े आयोजनों में सीसीटीवी जरूर हो। आरआई को पूजा दौरान अतिकित बल लगाने हेतु निर्देशित किया। रात्रि को पुलिस का सड़कों में उपस्थिति बढ़ाने को कहा। मीटिंग पश्चात अधिकारियों को अपने क्षेत्र में रात्रि गश्त रवाना कर घर लौटने को कहा। मीटिंग में जिले के समस्त अधिकारी उपस्थित थे।

कैंडी क्रश खेलने में लीन थे निगम अधिकारी, मिली फटकार

भास्कर दूत

रायपुर। रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा में अधिकारी मोबाइल पर गेम खेलते दिखे। जिस समय सामान्य सभा पर पार्षद एजेंडों पर चर्चा कर रहे थे तब अपर आयुक्त राजेंद्र गुप्ता समेत कुछ अधिकारी ताशपत्ती और कैंडी क्रश जैसे गेम खेल रहे थे।

दरअसल, शुक्रवार सुबह 11 बजे से निगम के इस कार्यकाल की अंतिम सामान्य सभा चल रही है। इस दौरान सभापति प्रमोद दुबे ने अधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि, अधिकारी पद का रखें ध्यान ये आपके और आपके भविष्य के लिए बेहतर होगा।

बता दें कि सामान्य सभा के पहले ही मिनट में भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। मेयर रायपुर की जनता से माफी मांगे और महापौर का फर्जी मेट्रो स्प का बोर्ड लेकर भाजपा पार्षद आसंदी के सामने आकर नारेबाजी कर रहे थे। बीजेपी पार्षद सभापति के डायस पर चढ़कर लाइट मेट्रो को लेकर जवाब मांगा। भाजपा पार्षदों का कहना कि पहले मास्को में किए स्प को लेकर मेयर जवाब दें, उसके बाद ही सामान्य सभा की कार्यवाही आगे बढ़ेगी। सभापति प्रमोद दुबे ने सामान्य सभा के दौरान बार-बार डायस पर चढ़ने और सदन की कार्यवाही नहीं होने देने पर मृत्युंजय दुबे समेत 6 से ज्यादा भाजपा पार्षदों को 10 मिनट के लिए निलंबित कर दिया गया।

मुनि सुधाकर ने पुलिस जवानों से कहा, प्रसन्नता के रसायन का सेवन करें

भास्कर दूत

रायपुर। रायपुर पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड के बाद आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनिश्री सुधाकर जी के सान्निध्य में आज गतिमान अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह अंतर्गत अणुव्रत समिति व पुलिस प्रशासन, रायपुर द्वारा फ तनाव प्रबंधन कार्यशालाफ का आयोजन पुलिस परेड़ ग्राउंड में पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों के साथ विशेष

रूप में एसएसपीश्री संतोष सिंह जी की उपस्थिति में किया गया।

मुनि सुधाकर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा मानसिक तनाव की समस्या वर्तमान युग की प्रमुख और जटिल समस्या है उससे छुटकारा पाने के लिए हमें अध्यात्म का सहारा लेना चाहिए आध्यात्मिक नियमों से तनाव प्रबंधन संभव है मुनि सुधाकर जी ने तनाव प्रबंधन के पांच सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा अपने में खुश रहो दूसरों से अपनी तुलना मत करो आगे की फिक्र एवं पीछे का जिक्र मत करो स्वयं पर नियंत्रण रखो परिस्थिति से अधिक मन स्थिति पर ध्यान दो परिस्थितियों बदलती रहती है मनस्थिति न बदले हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहें सोच को सकारात्मक रखें एवं इच्छाओं का परिष्कार करें वह अपनी सीमाओं को समझते हुए फल के आग्रह का चिंतन न करें।

एसएसपी संतोष सिंह ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्लानिंग कर कार्य करने की सलाह दी ताकि तनाव हमारे से दूर रह सके जिससे समय का सही नियोजन हो सकेगा। तनाव को दूर करने के लिए हमें अपने कार्य क्षेत्र से हटकर भी कार्य करने चाहिए जिससे हमारा ध्यान तनाव से दूर हो कर उस क्षेत्र में लगे जैसे बागवानी, पुस्तक पढ़ना, खेल आदि। उन्होंने बताया कि दुनिया में हम अर्थात पुलिसकर्मी ही नहीं मेडिकल रिपोर्ट अनुसार लगभग पैसठ प्रतिशत लोग तनावग्रस्त है। संचालन नरेंद्र दुगड़, स्वागत स्वर अध्यक्ष कनक चंद जैन व मंगलाचरण इंदु लोढ़ा, ललिता धाड़ीवाल के साथ कार्यशाला का सफल? संयोजन अरुण अग्रवाल ने किया।

सीएम साय और रमन ने थामा राइफल

भास्कर दूत

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में भव्य सशस्त्र सैन्य समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया. सीएम साय के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, गृह मंत्री विजय शर्मा समेत अन्य शामिल हुए.

इस दौरान सीएम साय ने इंडियन आर्मी के हथियार को हाथों से उठाकर देखा और उसकी खासियत को जाना.

बता दें कि सैन्य शक्ति प्रदर्शन आर्मी मेले का आयोजन दो दिवसीय 5 से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा. समारोह में भारतीय सैनिकों के स्ट्रेला 10 एम, टी- 90 भीष्म टैंक, जेडीयू 23 गन और 105 आर्टिलरी एमएम लाइट फील्ड गन जैसे आधुनिक हथियार और उपकरणों को लोग नजदीक से देख सकेंगे. इसके साथ ही इसमें विशेष बल कमांडो द्वारा स्लिदरिंग प्रदर्शन, बाइक शो और घुड़सवारी प्रदर्शन भी दिखाया जाएगा.

एक्जिट पोल में हरियाणा में बन रही कांग्रेस की सरकार, जम्मू-कश्मीर में किसी को बहुमत नहीं

नई दिल्ली। हरियाणा विधान सभा का चुनाव आज संपन्न हो गया है. प्रदेश की 90 सीटों में एक ही चरण में मतदान हुआ है. इसके बाद अब एक्जिट पोल की नतीजे भी आने शुरू हो गए हैं. एक्जिट पोल के मुताबिक हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनते दिख रही है।

वहीं जम्मू कश्मीर में बीजेपी और कांग्रेस के बीच नेक टू नेक फाइट दिख रही है. एक्जिट पोल के अनुमान के मुताबिक हरियाणा विधान सभा में कांग्रेस 55 से 57, बीजेपी 25 से 27 और अन्य 10 से 6 सीट मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है. वहीं जम्मू कश्मीर की बात करें तो बीजेपी 26, कांग्रेस+ नेशनल कॉन्फ्रेंस 40, पीडीपी को 7 और अन्य को 17 सीटें मिलने का अनुमान है.

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में 90 सीटों के लिए 3 चरणों में चुनाव हुआ था, वहीं हरियाणा में भी 90 सीटों पर एक चरण में मतदान हुआ. अब इन दोनों ही राज्यों के चुनाव परिणाम 8 अक्टूबर को आएँगे।

AGENCY	BJP	CON	INLD+	OTH
Dainik Bhaskar	19-29	44-54	1-5	6-9
Republic (News18)	24	58	02	06
People Pulse	20-32	49-61	2-3	4-5
DHRUVE Research	27	57	00	06
MATRIZE	18-24	55-62	3-6	2-8
JIST	29-37	45-53	0-2	4-6

भारत ने मिडिल ईस्ट की जंग का फायदा नहीं उठाया, बल्कि नुकसान उठाया- एस. जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मध्य पूर्व में हमास और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह संघर्ष सिर्फ क्षेत्रीय समस्या नहीं है, बल्कि विश्वव्यापी अस्थिरता का खतरा है. जयशंकर ने इसे एक गहरी चिंता का विषय बताया, जिससे भारत समेत पूरी दुनिया को नुकसान हो रहा है. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मिडिल ईस्ट की जंग भारत को फायदा नहीं दे रही है, बल्कि इससे उसे नुकसान हो रहा है.

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि मध्य पूर्व आज एक अवसर नहीं, बल्कि गहरी चिंता का क्षेत्र है. संघर्ष बढ़ता जा रहा है और इसका असर केवल वहीं नहीं, बल्कि पूरे विश्व पर पड़ रहा है, जिससे भारत समेत अन्य देशों को आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है.

वक्फ संशोधन बिल को लेकर दिल्ली में बीजेपी घर-घर चलाएगी अभियान

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, लगातार यह संघर्ष बढ़ता जा

रहा है हमने पहले एक आतंकी हमला देखा, फिर उसकी प्रतिक्रिया हुई, उसके बाद गाजा में जो कुछ हुआ, वह सबके सामने है. अब हम देख रहे हैं कि यह संघर्ष लेबनान तक फैल गया है, अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है. वहीं, हूथी विद्रोही लाल सागर में हमले कर रहे हैं.

जयशंकर ने बताया. यह सिर्फ किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं है, और यह मानना गलत होगा कि कोई निष्पक्ष रहकर इससे लाभ उठा सकता है. वैश्वीकरण के इस युग में, किसी भी हिस्से में होने वाला संघर्ष कहीं न कहीं दुनिया के दूसरे हिस्सों पर असर डालता है. इससे किसी न किसी प्रकार की सप्लाई चेन पर असर पड़ेगा, यह पूरी दुनिया के लिए, जिसमें हम भी शामिल हैं, चिंता का विषय है, और कहा कि आज दुनिया भर में हो रहे संघर्ष, चाहे यूक्रेन में हो या मध्य पूर्व और पश्चिम एशिया में, अस्थिरता के बड़े कारक बन चुके हैं.

भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कूटनीतिक प्रयासों में तेजी लाने की अपील की है क्योंकि पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख स्रोत है, और यहां की अस्थिरता भारत की तेल आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है. इसके अलावा, लाखों भारतवासी जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा और भविष्य भी इससे प्रभावित हो सकते हैं.

एनआईए की पांच राज्यों में 22 जगहों पर छापेमारी

तीन लोगों को लिया हिरासत में

मुंबई। जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियों से कथित तौर पर जुड़े मामले में एनआईए की पांच राज्यों में 22 जगहों पर छापेमारी चल रही है. इसके साथ ही छत्रपति संभाजीनगर और जालना में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है. इन लोगों पर जम्मू-कश्मीर के एक आतंकी संगठन से जुड़ी संदिग्ध आतंकी गतिविधियों का आरोप है. रिपोर्ट के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों से आतंकवाद के वित्तपोषण के साथ-साथ आतंकवादी समूहों से उनके संभावित संबंधों के बारे में पूछताछ की जा रही है. ये छापे भारत में आतंकवादी नेटवर्क को निशाना बनाने वाले व्यापक अभियान के हिस्से के रूप में किए जा रहे हैं.

समाचार शीर्ष

सुरक्षाबलों के ऑपरेशन के बाद बौखलाए नक्सली

जनअदालत लगाकर दो युवकों को उतारा मौत के घाट

बीजापुर। दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिला के सीमाई क्षेत्र में शुक्रवार को सुरक्षाबलों के एंटी-नक्सल ऑपरेशन के बाद नक्सलियों की बौखलाहट देखने को मिली। नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के ऑपरेशन के तुरंत बाद जनअदालत लगाकर मुखबिरी के शक में दो युवकों, अर्जुन पुनेम और मोटू कुरसम की बेरहमी से हत्या कर दी। वहीं, कुछ ग्रामीणों को पिटाई के बाद छोड़ दिया गया। यह मामला गंगालूर थाना क्षेत्र के सावनार का है। फिलहाल, मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इसी साल जवानों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में 188 नक्सलियों को मार गिराया गया है। जिन इलाकों में यह कार्रवाई हुई है, उनमें बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और नारायणपुर सहित 7 जिले शामिल हैं। वहीं, सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

नक्सल प्रभावित राज्यों की दिल्ली में बड़ी बैठक, सीएम विष्णुदेव होंगे शामिल

केंद्र से करेंगे विशेष सहयोग की भी मांग

भास्कर दूत

रायपुर। नक्सलवाद के खात्मे और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति तेज करने को लेकर 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गृह मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस बैठक में राज्य में चल रहे नक्सल ऑपरेशन और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देंगे।

बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 6 तारीख की शाम को दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री साय ने बैठक से पहले कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नक्सल प्रभावित इलाकों में न केवल सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है, बल्कि इन इलाकों में विकास कार्यों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य नक्सलियों के आतंक को समाप्त कर इन क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

हाल ही में नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती इलाके में हुए बड़े नक्सल ऑपरेशन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, आज हमारी सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। सर्च ऑपरेशन में अब तक 28 नक्सलियों के मारे जाने की जानकारी मिली है। यह छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन है। इसके लिए मैं अपने बहादुर जवानों को बधाई देता हूं और उनके अदम्य साहस को नमन करता हूं। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य नक्सलवाद का पूरी तरह से खात्मा करना है। डबल इंजन सरकार के अंतर्गत हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में न केवल माओवादियों से सख्ती से निपट रहे हैं, बल्कि उन क्षेत्रों में विकास कार्यों को भी तेजी से पूरा कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने भी नक्सलवाद के खात्मे के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं, और उनका संकल्प है कि मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का अंत हो।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, 2 आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सेना ने शनिवार सुबह कुपवाड़ा में ऑपरेशन गुगलधर में 2 आतंकवादियों को मार गिराया. ऑपरेशन गुगलधर में सुरक्षा बलों ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया है. उनके पास से युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए हैं. इलाके की तलाशी चल रही है और अभियान जारी है, सेना ने एक बयान में कहा.

सेना ने कहा, 4 अक्टूबर 2024 को घुसपैठ के प्रयास के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया. सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि को देखा और आतंकवादियों को चुनौती दी, जिसके बाद सैनिकों ने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की. अभियान अभी भी जारी है.

पहले सेना ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में LOC के पास घुसपैठ की कोशिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया. ऑपरेशन अभी भी जारी है और इसका नेतृत्व जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना की संयुक्त टीम कर रही है. जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर जिले के त्रेहगाम इलाके में LOC के पास गुगलदारा में गश्त के दौरान तड़के बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना के 2 जवान घायल हो गए. दोनों जवानों की हालत स्थिर है और ड्रगमुल्ला सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

नक्सल मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली ढ़ेर

बोले-मारे गये 31 में 16 पर था 1 करोड़ 30 लाख का इनाम...

मुठभेड में डीकेएसजेडसी, डीवीसी, पीएलजीए कंपनी नंबर 6 के कई कैडर सहित 18 पुरूष व 13 महिला कुल 31 वर्दीधारी माओवादी मारे गए।

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नाराणपुर-दंतेवाड़ा के सीमावर्ती इलाके में हुये मुठभेड़ मामले में बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान आईजी ने बताया कि मारे गये नक्सलियों में 15 की शिनाख्त हो गई है। इनमें 25 लाख इनामी डीकेएसजेडसी सदस्य नीति उर्फ उर्मिला सहित 8 लाख के कई इनामी पीएलजीए कंपनी नंबर-6 के सदस्य और डीवीसीएम रैंक के नक्सली शामिल है। मुठभेड़ में एक जवान घायल हुआ है, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। जवान खतरे से बाहर है। दरअसल, 3 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा के सीमावर्ती ग्राम गोवेल, नेंदूर, व थुलथुली में बड़ी संख्या में माओवादियों की होने की सूचना बस्तर पुलिस को मिली थी। जिला नारायणपुर-दंतेवाड़ा से डीआरजी व एसटीएफ की संयुक्त पार्टी मौके लिए रवाना हुई थी द्य अभियान के दौरान 4 अक्टूबर 12ः30 से 1 बजे के बीच नेंदूर-थुलथुली के जंगल में पुलिस पार्टी को देख जंगल में छुपे नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी द्य दोनों ओर से जबरदस्त फायरिंग हुई। इस दौरान जवानों ने

31 नक्सलियों को मार गिराया। इस अभियान के दौरान जवानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारी बरसात में उफनते नदी नालों और माड़ की पहाड़ियों को पर कर नक्सलियों के गढ़ में हमारे जवान पहुंचे। बड़ी संख्या में आटोमेटिक हथियार बरामद आईजी बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने मीडिया को बताया गया कि वर्ष 2024 में माओवादियों संगठन के शीर्ष नेतृत्व को सुरक्षा बल द्वारा भारी क्षति पहुंचाई गई। बीते 9 महिने में DKSZC जोगन्ना जिला पेदापल्ली, तेलंगाना राज्य, DKSZC रंधेर जिला वारंगल राज्य तेलंगाना, छ्यर्ड्ट रूपेश जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र राज्य, TSC मेम्बर CRC 2 कमाण्डर सागर जिला भूपलपल्ली तेलंगाना राज्य, DVCM शंकर राव जिला भूपलपल्ली तेलंगाना राज्य, DVCM विनस जिला वारंगल तेलंगाना राज्य, DVCM जगदीश जिला बालाघाट मप्र राज्य, ACM संगीता उर्फ सन्नी जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र राज्य, ACM लक्ष्मी जिला मलकानगिरी उड़िसा राज्य, ACM रजीता जिला वारंगल तेलंगाना राज्य जैसे बाहर राज्य के सीनियर माओवादी कैडर को सुरक्षा बल द्वारा मुठभेड़ में ढेर किया जा चुका है। आईजी ने कहा, बड़ी संख्या में आटोमेटिक हथियारों की बरामदगी भी इस ऑप्स की एक ऐतिहासिक सफलता है। घटना स्थल में और भी खून के धब्बे दिखाई दिये जिससे प्रतीत होता है कि इस मुठभेड़ में बडी संख्या में अन्य माआवेदियों के घायल अथवा मारे जाने की प्रबल संभावना है। प्रेसवार्ता में एसपी दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि पूर्वी बस्तर डिवीजन क्षेत्र के दुर्गम जंगल एवं विकट भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले मूल निवासियों को नक्सलवादी विचारधारा से बचाना और उन्हें माओवादी सिद्धांतों के आकर्षण से बाहर निकालना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। ताकि क्षेत्र में विकास एवं शांति कायम हो सके। हम उन सभी मूलवासियों जो बाहरी विचारधारा और बाहर के नक्सली नेताओं के गलत प्रभाव में फंस गये हैं।

तबादला विवाद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

कोर्ट ने 18 तहसीलदारों के ट्रांसफर पर लगाई रोक

सरकार को समीक्षा के निर्देश

भास्कर दूत

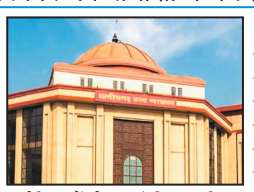

बिलासपुर। राजस्व विभाग में हुए हुए तबादलों के बाद सिमगा तहसीलदार नीलमणि दुबे समेत डेढ़ दर्जन तहसीलदारों को हाईकोर्ट से स्टे मिल गया है. स्टे के बाद अब इन अफसरों ने ट्रांसफर के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी है.

सिमगा तहसीदार नीलमणि दुबे ने तबादला सूची जारी पर होने के बाद नियमों की अवहेलना का आरोप लगाते हुए शासन के खिलाफ मोर्चा खोला था. उनके निलंबन के बाद अन्य तहसीलदारों ने भी हाईकोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें तकरीबन सभी को स्टे मिल गया. प्रदेश में हुए तबादलों में खामियां हैं. कई नायब तहसीलदारों को प्रोबेशन

पीरियड में ही स्थानांतरित कर दिया गया. नियमों का उल्लंघन करते हुए कम समय में बार-बार स्थानांतरित किया गया.

बता दें कि प्रदेश सरकार ने बीते 13 सितंबर को 49 तहसीलदार और 51 नायब तहसीलदारों की तबादला सूची जारी की थी, जिसके बाद प्रदेश स्तर पर बवाल होने लगा. आरोप लगाया गया था कि इस प्रक्रिया में पैसों का लेनदेन हुआ है. मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि प्रभावित अधिकारियों को 45 दिनों के भीतर शासन के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करना होगा, इसके अलावा शासन को एक कमेटी का गठन कर इन तबादलों की समीक्षा करने कहा गया है. हाईकोर्ट से तबादला में स्टे मिलने वालों अधिकारियों में अभिषेक राठौर, बिलासपुर. नीलमणि दुबे, बलौदाबाजार. पोखन टोंडरे, बलौदाबाजार. प्रेरणा सिंह, रायपुर राजकुमार साहू, रायपुर राकेश देवांगन, रायपुर. जयेंद्र सिंह रायपुर. राजकुमार साहू, रायपुर प्रियंका, जांजगीर-चांपा. गुरु दत्त पंचभाई दुर्ग. सरिता मड़रिया, बेमेतरा. दीपक चंद्राकर, बालोद, विपिन बिहारी पटेल, तिल्दा. कमलवाती, बिलासपुर. माया अंचल, बिलासपुर और दीपक चंद्राकर पलारी, शामिल है.

छत्तीसगढ़ के 24.98 लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुंचा 566 करोड़ 77 लाख

सीएम ने पीएम का जताया आभार

भास्कर दूत

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महाराष्ट्र के वाशिम जिले से देश के लगभग 9 करोड़ 40 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त के रूप में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के ऑनलाइन अंतरण कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के रूप में प्रदेश के 24 लाख 98 हजार से अधिक किसानों के खातों में 566 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरित होने

पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। साय ने इस मौके पर प्रदेश के किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 17 वीं किश्त की तुलना में इस बार 66 हजार 485 अधिक किसानों ने योजना का लाभ उठाया है। इससे पहले भी 16 वीं किश्त की तुलना में 17वीं किश्त का लाभ उठाने वाले किसानों की संख्या 01 लाख 11 हजार 518 अधिक थी। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की किश्त-दर-किश्त लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या में बढ़ोतरी होना इस बात का प्रमाण है कि भारत के कृषि क्षेत्र में कितनी तेजी से प्रगति हो रही है। यह मोदी सरकार पर किसानों के मजबूत भरोसे का भी प्रमाण है।

साय ने कहा कि 18 वीं किश्त के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के जो किसान भाई-बहन आज लाभान्वित हो रहे हैं, उनमें 02 लाख 49 हजार 867 वन-पट्टा धारक हैं और 30 हजार 408 किसान पीवीटीजी योजना के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों की उन्नति जय जवान-जय किसान के नारे को सार्थक कर रही है।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, ईश्वर साहू, गुरु खुशवंत साहेब और डॉ. रामप्रताप मौजूद रहे।

संपादकीय

दुर्गा समस्त शक्ति अर्थात राष्ट्र शक्ति का प्रतिरूप

हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है।

नवरात्र में अष्टभुजाओं वाली भगवती दुर्गा की प्रतिमा स्थापन, पूजन, आराधना की परिपाटी है। भगवती दुर्गा की प्रतिमा में हाथों की संख्या विभिन्न पुराणों में अलग-अलग अंकित है। वराह पुराण 95/41 में अंकित है कि माता वाराही अपनी बीस हाथों में अस्त्र-शस्त्र एवं धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतीकों- शंख,चक्र, गदा, पद्म, शक्ति, महोल्का, हल,मूसल, खड्ग, परिधि, भृशुण्डि, मस्तक, खेमट, तोमर, परशु, पाश, कुन्त,त्रिशूल, सारंग, धनुषादि को धारण करती है। देवी भागवतपुराण में इनके अठारह हाथों का उल्लेख है। हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है।

इसी कारण देवी की दस विद्या, नवदुर्गा अथवा अष्ट मातृका रूप में नाम-स्मरण, पूजा-अर्चना की परिपाटी है। शताक्षी एवं शाकंभरी भी इनका नाम है। आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक अष्टभुजा वाली दुर्गा की वास्तविकता का वर्णन व विश्लेषण वैदिक मत में भी किया गया है। वैदिक विद्वानों के अनुसार पहली भुजा (भुज) पूर्व की है, जहां से उदित होने वाले अदिति सूर्य का प्रातः काल में पूर्वाभिमुख होकर के याग करना चाहिए। अपने जीवन को प्रकाशमान करना चाहिए। क्योंकि प्रकाश ही तो मानव का जीवन है। अपने अंतर्तम के अंधकार को समाप्त करना चाहिए। अंधकार अज्ञान का प्रतीक है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है। यह देवी की एक भुजा है। दूसरी भुजा दक्षिण दिशा है।

अध्यात्म में दक्षिण दिशा में विज्ञान की तरंगे ओत- प्रोत रहती है। दक्षिण में ही शब्दों का भंडार होता है। दक्षिण में ही सोम है। दक्षिण दिशा ही अग्नि और विद्युत का भंडार है। इसलिए यह ईश्वर प्रदत्त दूसरी दिशा, दूसरी भुजा और दूसरी शक्ति है। तीसरी दिशा पश्चिम है, जो ईश्वरीय दिव्य शक्ति माता का तृतीय भुज कहलाता है। यह भुज अन्न के भंडार के रूप में जानी जाती है। जब पश्चिम दिशा से वायु वेग से गति करती है, विद्युत को साथ लेकर आती है तो माता पृथ्वी के गर्भ में नाना प्रकार की आभा को वर्षा से परिणत कर देती है। नाना प्रकार का खाद्य और खनिज पदार्थ इसी से उत्पन्न होने लगता है। इसलिए यह माता की तीसरी भुजा है।

चौथी भुजा उत्तरायण है। योगी, साधकजन सभी उत्तर की दिशा को अभिमुख होकर योगाभ्यास करते हैं। प्राण की गति को प्राप्त करते हैं। सभी शुभ कार्य उत्तर दिशा की ओर मुख करके होते हैं। सभी ज्ञान का भंडार उत्तरायण में रहता है। इसलिए यह ईश्वर रूपी माता की दी हुई चौथी भुजा है। पांचवी भुजा ध्रुवा कही जाती है, जो प्रकृति के साथ जुडने वाली नीचे की ओर की भुजा अथवा दिशा है। प्रकृति एवं पृथ्वी से अनेक साधन और समर्थ प्राप्त होते हैं। साधक अथवा वैज्ञानिक इसमें भी गति करता है। छठा भुजा उर्ध्वा में रहता है अर्थात ऊपर की दिशा जो अंतरिक्ष लोक से द्युलोक तक की गति कराता है। नाना प्रकार की सुखों की, आनंद की, तथा देवत्व की वृष्टि करता है। इसकी प्राप्ति के लिए प्राणी को दैव (देवी) याग करना चाहिए। और ब्रह्मवेत्ता अर्थात ब्रह्म का चिंतन करने वाला साधक बनना चाहिए। योगी की भांति उड़ान करते हुए अनेक लोकों में, मंडलों में भ्रमण करना चाहिए। विज्ञान के युग में गति करनी चाहिए। वैज्ञानिक यंत्रों पर विद्यमान होकर के लोक-लोकांतरों की यात्रा योगाभ्यासी करने लगता है।

उल्लेखनीय है कि याग के समय कलश की स्थापना की दिशा ईशान कोण होती है। योगाभ्यास करने वाला प्राणी मूलाधार में मूल बंध को स्थित करके नाभि केंद्र में ज्योति का प्रकाश दृष्टिपात करता है। उसके बाद जालंधर बंध को लगा करके हृदय चक्र में ज्योति को देखता है।

नीरज कुमार दुबे

हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने इस साल मार्च में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। खट्टर को लोकसभा चुनाव लड़वा कर और केंद्रीय मंत्री पद सौंप कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया गया लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में लगा रहा। भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुँचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी।

हरियाणा में पिछड़ रही भाजपा मतदान से ठीक पहले मुश्किल स्थिति से कैसे उबर गयी?

यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती। खट्टर से व्यक्तिगत रूप से लोगों की नाराजगी भाजपा को चुनावों में उसी तरह नुकसान पहुँचा सकती थी जैसे कि राजस्थान विधानसभा के 2018 के चुनावों में देखने को मिला था जब नारे लग रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। हमसे बातचीत में भाजपा के भी कई समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने माना कि यदि खट्टर को हटाने का फैसला एक साल पहले लिया गया होता तो लोकसभा चुनावों में भी हम सारी सीटें जीत सकते थे इसके अलावा, 15 दिनों पहले जब हमने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार की कवरेज की शुरुआत की थी उस समय सब जगह कांग्रेस की हवा ही दिख रही थी लेकिन एक एक दिन बीतने के साथ

इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती।

यह हवा हम धामा पड़ता दिखा और अब जब चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है तो कहा जा सकता है कि हवा किसी एक के पक्ष में नहीं है बल्कि कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हरियाणा चुनाव के दौरान मुझे दिल्ली नगर निगम का पिछला चुनाव इसलिए याद आ गया क्योंकि उसमें भाजपा का सूपड़ा साफ होने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब परिणाम आये तो पार्टी नजदीकी मुकाबले में आम आदमी पार्टी से सिर्फ कुछ सीटों से पिछड़ गई थी। हरियाणा चुनावों में भी जमीनी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखी। ऐसा लगता है कि भाजपा को जब इस बात का अहसास हुआ कि वह चुनाव में कांग्रेस से बहुत ज्यादा पीछे नहीं है तो उसने पिछले 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गया और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया। हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि %कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही है%। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार-बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं।

कई क्षेत्रों के लोगों का मानना है कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है। इसके अलावा भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे। भाजपा की रैलियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले लगभग एक महीने में प्रमुख नेताओं की 150 से अधिक जनसभाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

एक सनातन धर्म के खिलाफ तो दूसरा बना रक्षक, दोनों की राजनीतिक जंग में किसकी होगी जीत?

ह म आपको बता दें कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष पवन कल्याण की 'सनातन धर्म' संबंधी टिप्पणी पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए सिर्फ इतना कहा, ''देखते हैं और इंतजार करते हैं। दक्षिण की राजनीति में दो राजनेता हाल के समय में तेजी से उभर कर आये हैं। एक हैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन जिन्होंने सनातन धर्म का विरोध कर अपना राजनीतिक कॅरियर चमकाया और राज्य के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। दूसरे नेता हैं फिल्मों से राजनीति में आये पवन कल्याण जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। अब स्थिति यह है कि एक उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण चेतावनी देते हैं कि

सनातन को मिटाने की इच्छा रखने वाले खुद मिट जायेंगे तो जवाब में दूसरे उपमुख्यमंत्री उदयनिधि कहते हैं कि देखते हैं। हम आपको बता दें कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष पवन कल्याण की 'सनातन धर्म' संबंधी टिप्पणी पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए सिर्फ इतना कहा, ''देखते हैं और इंतजार करते हैं जब पत्रकारों ने पवन कल्याण की चेतावनी पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, ठीक है, इंतजार करते हैं और देखते हैं। हम आपको याद दिला दें कि उदयनिधि ने पिछले साल 'सनातन' के 'उन्मूलन' की अपील की थी, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पिछले साल सितंबर में यह टिप्पणी करके राजनीतिक आक्रोश पैदा कर दिया था कि %सनातन धर्म% को मिटा दिया जाना चाहिए। इस धर्म को मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोना के बराबर बताते हुए उन्होंने कहा था कि इसे उन बीमारियों की तरह खत्म कर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म का समूल नाश दरअसल मानवता और समानता को बनाए रखने के हित में होगा। उदयनिधि ने बाद में स्पष्ट किया था कि उन्होंने कभी भी %सनातन धर्म% का पालन करने वाले लोगों के नरसंहार का आह्वान नहीं किया। हालांकि उन्होंने कहा कि यह धर्म लोगों को जाति एवं धर्म के नाम पर विभाजित करता है। जहां तक पवन कल्याण के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा था कि 'सनातन धर्म' का विरोध करने वालों का सफाया हो जाएगा। जनसेना पार्टी के प्रमुख ने कहा था कि आप सनातन धर्म को खत्म नहीं कर सकते। अगर कोई सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो बता दूं, आप खत्म हो जाएंगे।

सेवा भाव पर हावी होता स्वार्थ, जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या

जा ने-माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है। आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या। प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को

कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता।

दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों को भेजा। यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया।

साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई। चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया। नीति-निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है। कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती।

संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता।

राशिफल

मेष

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। आज अपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

वृषभ

आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इस की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जायेंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जायेगा।

मिथुन

आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगें बढाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगें।

कर्क

आज का दिन खुशियां लेकर आया है । बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

सिंह

आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायें। जो लोग डांस सीखना चाहते है, वे आज सोशल मिडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी।

कन्या

आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सयोग करेंगें ।

तुला

आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनायें रखें।

वृश्चिक

आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी। युवाओ को बढ़िया नौकरी मिलने की सम्भावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु

आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बेहतर बनाने के लिए किया गया प्रयास सफल होगा। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर

कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठण्डे दिमाग् से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपकी मदद मांगेंगे।

कुंभ

आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज सभी जरुरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगें।

मीन

आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में खुद को आगे पायेंगे। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे।

।।फ़क़त राज हूँ मैं।।

खुद को समझा था तेरी महफ़िल की रौनक।
हैरान हूँ जो कहा तूने कि सिर्फ किरायेदार हूँ मैं।।
न चुका पाऊँगा मुझे ऐसे न आजमाओ औचक।
दूर से सही बस एक नजर कि तेरा तलबगार हूँ मैं।।
गर पहले मिल पाते तो,लिख पाता औ गीत गजल।
उम्र गुजरी बस यूं ही ,पल दो पल तो जी पाता मैं।।
सच कहता तलाश थी ,रहबर रहगुजर की मुझे।
बस मुझको इतना पता,कुछ जख्म तो सी पाता मैं।।
क्या पता पिछला जन्म कुछ ऐसा जो कर गुजरे ।
यूँ न उठता समन्दर कि भर-भर आँसू न बहाता मैं।।
वो हिसाब लिए है बैठा ,शायद जन्मों-जन्मों का।
लगता हिसाब में गफलत,दुख बेहिसाब न पाता मैं।।
सिर्फ एक अफसाना कि,सुन लो सुनाना है तुझे।
तेरे दर से कईयों बार, लौटाया लौट आया मैं।।
वो कहते बर्बादियों का डगर,मगर संकरी सी भली।
जिस गली में न जाना था,जाकर न लौट पाया मैं।।
तुझे लगता कि फि तेरी,मुझको तो न कभी रही।
बस तेरी इसी बात पे,बार-बार जार-जार रोया मैं।।
अब तो 'मैं' खुद ही न रहा,अब तो बस %तू% ही %तू% ।
दूर से ही सही देखा तो,अच्छा है खुद को खोया मैं।।
मेरे जूतों से औकात जानने में ,माहिर ये जमाना।
सुनो कि अंतिम सफर में,औरों का मोहताज हूँ मैं।।
चेहरे ,कपड़े से कयास ,तो कभी अल्फाज़ से मेरे।
सबने किए बिन पढ़े प्रमाणित फ़क़त राज़ हूँ मैं।।

रोशन साहू मोखला
(राजनांदगांव)

व्यंग्य- बहस मत करो

धर्म से बहस मत करो,
इसकी इमारत
बुनियाद बनाकर,
तर्कों खड़ी है
लाशो पर गिरेगी।
मत कहो कि यह सच है,
मत कहो कि यह झूठ है,
धर्म की दीवारें खून से रंगी हैं।
तुम्हारे भगवान में,
क्या कमी है?
कि तुम्हें औरों के
भगवान से लड़ना है?
क्या तुम्हें
दिखता नही
इन धर्मों के पीछे
छुपी हुई राजनीति?
क्या तुम्हें नहीं दिखता,
इन धर्मों के नाम पर
होने वाली हिंसा?
धर्म से बहस
मत करो,
यह तुम्हारी
अक्ल को मार देगी।

गिरीश ठक्कर
स्वर्गीय

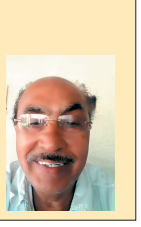

शब्द सामर्थ्य– 394

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे
1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हरिदर्शन के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पांचवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

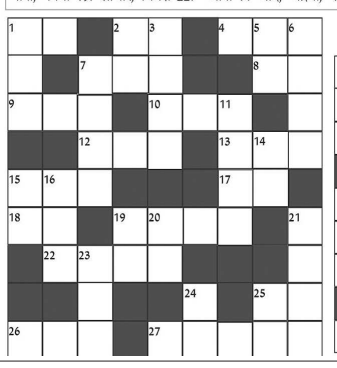

शब्द सामर्थ्य – 393

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	जीं	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

सू–दोकू क्र. 394

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू–दोकू क्र.172 का हल

सू–दोकू क्र. 393 का हल

3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भास्कर दूत

देशभर में काटे गए 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शन

45 लाख फेक कॉल भी किए ब्लॉक

नई दिल्ली । केंद्र ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग करके अब तक 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं। इसके अंतर्गत वह मोबाइल कनेक्शन काटे गए हैं। इनमें नकली या जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था।

इसके अलावा, चार दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सहयोग से एक उन्नत प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। इसके तहत अब तक 45 लाख फर्जी अंतर्राष्ट्रीय कॉलों को भारतीय दूरसंचार नेटवर्क में आने से रोका गया है। संचार मंत्रालय ने कहा, अगले चरण में एक केंद्रीकृत प्रणाली शामिल होगी, जो सभी टीएसपी में शेष बची फर्जी कॉलों को समाप्त कर देगी, इसके शीघ्र ही चालू होने की उम्मीद है। वहीं दूरसंचार विभाग ने एक उन्नत प्रणाली शुरू की है। इसके तहत भारतीय दूरसंचार उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले आने वाली अंतर्राष्ट्रीय फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए तैयार की गई है।

इस व्यवस्था को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। पहला चरण टीएसपी स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसके तहत अपने ग्राहकों के फोन नंबर से आने वाली फर्जी कॉल को रोका जा सकेगा। दूसरा चरण केंद्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसके तहत दूसरे टीएसपी के ग्राहकों के फोन नंबर से आने वाली फर्जी कॉल को रोका जा सकेगा। 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों पर कार्रवाई के तहत केंद्र ने देश के साइबर अपराध हॉटस्पॉट/जिलों में साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 33.48 लाख मोबाइल कनेक्शन काट दिए और 49,930 मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक कर दिए।

एक व्यक्ति के लिए निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन वाले लगभग 77.61 लाख कनेक्शन काट दिए गए हैं और साइबर अपराध या धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल 2.29 लाख मोबाइल फोन ब्लॉक कर दिए गए हैं। चोरी/खोए हुए 21.03 लाख मोबाइल फोन में से लगभग 12.02 लाख का पता लगा लिया गया है। साथ ही डीओटी और टीएसपी ने एसएमएस भेजने में शामिल लगभग 20,000 संस्थाओं, 32,000 एसएमएस हेडर और 2 लाख एसएमएस टेम्पलेट को काट दिया है।

एथेनॉल निर्माताओं की लिवाली से मक्का में उछाल

जयपुर । । एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों की मांग निकलने से इन दिनों मक्का की कीमतें तेज बोली जा रही हैं। बिहार की हरियाणा डिलीवरी मक्का के भाव वर्तमान में 2780 रुपए प्रति क्विंटल चल रहे हैं। मक्की के भावों में आए उछाल को लेकर जानकारों का कहना है कि पौल्ट्री व्यवसाय की बढ़ती मांग और एथेनॉल बनाने में मक्का के उपयोग के कारण इसकी कीमतों में तेजी आई है। यही कारण है कि वर्तमान में मक्का के भाव एमएसपी से काफी ऊंचे चल रहे हैं। वर्ष 2023-24 के लिए सरकार ने मक्के का एमएसपी 2090 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया हुआ है। भीलवाड़ा से ब्रोकर संजय अजमेरा ने बताया कि उत्तर प्रदेश की हरियाणा डिलीवरी मक्का के भाव 2660 रुपए प्रति क्विंटल में व्यापार हो रहा है। इस बीच राजस्थान एवं मध्य प्रदेश की नई मक्का भी शुरू हो गई है। महाराष्ट्र एवं गुजरात में नई मक्का की आवक हो रही है। लिहाजा मक्का की कीमतों में अब लंबी तेजी के आसार समाप्त हो गए हैं। पिछले दो साल की तुलना में दुगुने दाम मिल रहे

वर्ष 2022 में मक्का के भाव 1200 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास थे, जबकि वर्तमान में मक्का 2600 रुपए प्रति क्विंटल से ऊपर बिक रही है। जानकार बताते हैं कि मक्की का उपयोग कपड़ा, स्टार्च, कुकुट समेत अन्य उद्योगों में लगातार बढ़ता जा रहा है।

किसान खुश, पॉल्ट्री उद्योग परेशान

जहां एक ओर मक्के का दाम बढ़ने से किसान खुश हैं, वहीं मक्का की सप्लाई कम होने से पॉल्ट्री (मुर्गी पालन) उद्योग और स्टार्च कंपनियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पॉल्ट्री उद्योग और स्टार्च निर्माताओं ने सरकार से मक्के की उपलब्धता बढ़ाने के उपाय करने की मांग की है। जानकारों का कहना है कि देश में मक्का के दाने और मक्का की खली का उपयोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। मक्के का जहां पॉल्ट्री क्षेत्र में ज्यादा उपयोग होता है, वहीं मक्का की खली को दुधारू पशुओं के लिए उपयोगी माना जाता है।

ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग में भारतीय और यूरोपीय संघ के स्टार्टअप व्यावसायिक सहयोग को दे रहे बढ़ावा

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों का रिसायकल एक भू-राजनीतिक और जलवायु संबंधी अनिवार्यता है। सरकार के अनुसार, इस क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय स्टार्टअप नवाचार और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने यूरोपीय संघ के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ नवाचार, स्थिरता और अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए भारत और यूरोपीय संघ की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इसमें यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में स्टार्टअप के प्रतिनिधि, भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के अधिकारी और चुनिंदा भारतीय स्टार्टअप के सदस्य शामिल थे। सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कहा कि यह सहयोग प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, बाजार पहुंच और सह-विकास के लिए नए अवसर पैदा करता है। यह आर्थिक लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। यह बैठक राष्ट्रीय राजधानी में भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) कार्य समूह 2 (डब्ल्यूजी 2) के तहत आयोजित की गई थी। भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की उप प्रमुख डॉ. इवा सुवारा ने व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद के समर्थन के माध्यम से कहा हम यूरोपीय संघ और भारतीय स्टार्टअप को एकजुट होने, नवाचार में अग्रणी होने, व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को बाजार में लाने में सहायता करने में सक्षम हैं। इस बैठक में ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय स्टार्टअप के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में हुई प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत से भाग लेने वाले स्टार्टअप में बैटएक्स एनर्जीज, एवरग्रीन लिथियम रीसाइक्लिंग, एलडब्ल्यू3 प्राइवेट लिमिटेड और लोहुम शामिल थे, जबकि यूरोपीय संघ के स्टार्टअप में इकोमेट रिफाइनिंग और एनेरिस शामिल थे।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 के थिएटर में 50 दिन पूरे

स्त्री 2 लगातार अपने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सो सबको हैरानी में डाल रही है. हाल ही में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 619.66 करोड़ रुपये की कमाई की है. बुधवार को फिल्म ने 2.10 करोड़ रुपये कमाए और कुल मिलाकर फिल्म ने लगभग 620 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर ली है. स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर इतनी बड़ी कमाई करने वाली पहली घरेलू हिंदी फिल्म बन गई है और इसने पठान, जवान, गदर 2 और इस साल की सबसे बड़ी रिलीज को पछाड़ दिया है.

ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने अपने एक्स अकाउंट पर बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 के शानदार प्रदर्शन को शेयर किया. उन्होंने लिखा- स्त्री2 50 दिनों की शानदार कमाई का जश्न मना रही है. न केवल बड़े शहरों में बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी दर्शकों के बीच स्त्री 2 का क्रेज बरकरार है. फिल्म के प्रोडक्शन हाउस मैडोक फिल्म्स ने लिखा-खौफ और हंसी की हाफ सेंचुरी सदी! यह स्त्री जल्दी खत्म होने वाली नहीं है! स्त्री 2 ने अपने 50वें दिन सबसे ज्यादा सिनेमाघरों में चलने का रिकॉर्ड बनाया. आप सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद. आज ही अपनी टिकट बुक करें. स्त्री 2 की पूरी स्टार कास्ट इस शानदार सफलता से बेहद खुश है. इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि कंटेंट ही सबसे बड़ा है. फिल्म 2018 में रिलीज हुई स्त्री का

द कश्मीर फाइल्स के बाद विवेक अग्निहोत्री की द दिल्ली फाइल्स करेगी डबल धमाका, पहला पोस्टर भी आया सामने

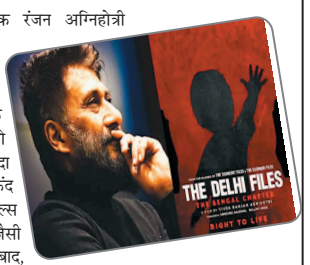

फिल्म मेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोरने के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी फिल्मों के जरिए विवादित मुद्दों को उठाते हैं और हलचल पैदा कर देते हैं। द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द वैक्सीन वॉर जैसी सफल फिल्में बनाने के बाद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म मेकर अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स के साथ एक और दिलचस्प कहानी कहने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म ने अपने अनाउंसमेंट के बाद से ही खबरों में जगह बनाई हुई है। इसके अलावा फिल्ममेकर ने इसे अनोखा बनाने के लिए अपनी टीम के साथ मिलकर एक लंबी और गहन रिसर्च की है। अग्निहोत्री ने इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल के साथ फिर से हाथ मिलाया है, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स की मेकिंग में अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा का दबदबा बरकरार, बॉक्स ऑफिस पर लगाई डबल सेंचुरी

जूनियर एनटीआर ने 'देवरा पार्ट 1' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर 6 सालों के बाद सोलो हीरो के तौर पर कमबैक किया है. इस फिल्म के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने भी अपना तेलुगु डेब्यू किया, जिससे फिल्म की चर्चा और बढ़ गई. प्रमुख तेलुगु निर्देशकों में से एक, कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित, इस फिल्म की बंपर ओपनिंग हुई थी. हालांकि इसके बाद से बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव जारी है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 6ठे दिन यानी पहले बुधवार को कितना कलेक्शन किया है? 'देवरा पार्ट 1' रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला था बावजूद इसके इस फिल्म ने पहले दिन धमाकेदार ओपनिंग की. 'देवरा पार्ट 1' ने 82.5 करोड़ के पहले दिन के कलेक्शन के साथ विजय थलापति की गोट को काफी पीछे छोड़ दिया. ओपनिंग डे के बाद फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट भी देखी गई हालांकि फिर भी ये अच्छा कलेक्शन कर रही है. वहीं 2 अक्टूबर को गांधी जयंती की छुट्टी के मौके पर तो फिल्म की कमाई में जबरदस्त तेजी देखी गई और इसने छप्परफाड़ कारोबार किया है. 'देवरा पार्ट 1' के पहले दिन से अब तक के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने ओपनिंग डे पर 82.5 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे दिन फिल्म का कारोबार 38.2 करोड़ रुपये रहा. तीसरे दिन 'देवरा पार्ट 1' ने 39.9 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 12.75 करोड़ का कलेक्शन किया जबकि पांचवें दिन की कमाई 14 करोड़ रही. वहीं अब 'देवरा पार्ट 1' की रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

खेल

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में ईरानी ट्रॉफी का आज फाइनल डे रहा। मुंबई ने रेस्ट ऑफ इंडिया को हराकर 27 साल बाद ईरानी ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की टीम ने ट्रॉफी जीती है। दोहरे शतक से चूके सरफराज खान को मैन ऑफ द मैच चुना गया है। वहीं मैच के 5वें दिन तनुष कोटियान ने शतक जड़ा। 9वें विकेट के लिए कोटियान और मोहित अवस्थी के बीच 163 गेंद पर 123 रनों की पार्टनरशिप हुई।

लखनऊ में मुंबई ने जीती ईरानी ट्रॉफी

27 साल बाद बने विजेता; सरफराज खान मैन ऑफ द मैच, कोटियान ने जड़ा शतक

पहली पाली में मुंबई ने बनाई थी बढ़त

मुंबई ने पहली पारी में 121 रनों की बढ़त ली थी। पहली पारी में मुंबई ने 537 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए थे। पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम ने 416 रन ही बना पाए थे। दूसरी पारी में मुंबई की टीम ने आठ विकेट के नुकसान पर 329 रन बनाए। नौवें विकेट के लिए मोहित अवस्थी और तनुष कोटियान ने 200 गेंद पर 158 रनों की पार्टनरशिप की। पहली पारी में बढ़त मिलने के बाद मुंबई की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया को दूसरी पारी खेलने का मौका नहीं दिया।

मुंबई की टीम ने 450 रनों की बढ़त रेस्ट ऑफ इंडिया पर बना लिए थे। मुंबई का यह 16 वीं ईरानी ट्रॉफी है। एक ट्रॉफी मुंबई ने दूसरी टीम के साथ में शेयर की है। ईरानी ट्रॉफी

जीतने के बाद मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि लाल मिट्टी की पिच पर हम वानखेड़े में भी खेलते हैं। हमें अनुमान था कि पिच किस तरह से विहैव करेगी। तनुष कोटियान ने शानदार खेल दिखाया है। रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान त्रिशुराज गायकवाड ने कहा कि सरफराज और तनुष के बीच में बड़ी पार्टनरशिप हुई। पहली इनिंग में शार्दुल ने भी इसमें कुछ रन जोड़ दिए। इससे कठिनाई बढ़ी। ध्रुव जुरैल, अभिमन्यू ईश्वरन ने अच्छा खेल दिखाया। सरांश जैन ने दूसरी पारी में अच्छी गेंदबाजी की।

मुंबई के लिए दूसरी पारी में शॉ का अर्धशतक

मुंबई का दूसरी पारी में पहला विकेट 52 रन के स्कोर पर गिरा। पृथ्वी शॉ ने हाफ सेंचुरी लगाई। वह 105 बाल पर 76 रन बनाकर आउट हुए। पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद सारांश जैन और मानव सुधार की जोड़ी ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए।

चौथा दिन स्पिनर्स के नाम रहा, मुंबई को मिली बढ़त

ईरानी ट्रॉफी का चौथा दिन स्पिनर्स के नाम रहा है। इस दौरान पूरे दिन में स्पिनर्स ने 11 विकेट लिए। सिर्फ एक विकेट यश दयाल रन आउट हुए। मुंबई की टीम ने मैच खत्म होने तक 274 रन की बढ़त बनाई थी। पहले तीन दिन का मैच बल्लेबाजों और पेसर्स के नाम रहा था। मैच के चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 289 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस दौरान पूरी टीम 10 ओवर में 416 रनों पर ऑल आउट हो गई। तनुष कोटियान और शम्स मुलानी ने 3-3 विकेट और मोहित अवस्थी को 2 विकेट मिला।

मोहम्मद जुनैद को एक विकेट मिला।

एक नजर

यूरोपा लीगः मैन यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ, टोटेनहम की जीत

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पोर्टो के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी समय में एक अंक बचाया, टोटेनहम ने यूईएफए यूरोपा लीग मैचडे 2 में दो में से दो जीत दर्ज की।

हैरी मैगुएर के स्टॉपेज-टाइम हैडर ने पोर्टो के साथ एक रोमांचक मुकाबले में दस खिलाड़ियों वाले यूनाइटेड के लिए एक अंक बचाया। मार्कस रैशफोर्ड और रैसमस होजलुंड के माध्यम से यूनाइटेड ने 2-0 की बढ़त हासिल की, लेकिन आंद्रे ओनाना द्वारा बचाव करने के बाद पेपे ने मेजबानों के लिए हैडर से अच्छी प्रतिक्रिया दी और फिर सैमू ने ब्रेक से पहले बराबरी का गोल किया। ब्रूनो फर्नांडीस को दूसरा पीला कार्ड दिखाए जाने से पहले सैमू ने अपना दूसरा गोल नेट की छत पर मारकर पोर्टो को आगे कर दिया। पोर्टो जीत से कुछ ही पल दूर था, लेकिन मैगुएर ने क्रिश्चियन एरिक्सन के कॉर्नर को हेड करके गोल कर दिया।

पाकिस्तान के मैच में बवाल, रुमाल ने दिलाया बल्लेबाज को जीवनदान

नईदिल्ली । वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा मैच पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला गया. इस मैच में एक रुमाल के चक्कर में बल्लेबाज को नॉटआउट करार दिया, जिसके चलते बवाल मच गया है. बात कुछ ऐसी थी कि गेंद फेंकी गई, बल्लेबाज को आउट भी करार दिया गया, लेकिन फिर तुरंत ही अंपायर ने अपना फैसला बदला और बल्लेबाज को नॉटआउट दिया गया. आइए आपको इस मामले के बारे में विस्तार से बताते हैं. पाकिस्तान के दिए 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर रही थी. इसी बीच 13वां ओवर लेकर आईं पाकिस्तान की नाशरा संधु, जिनके सामने क्रीज पर मौजूद थीं निलाक्षी डी सिल्वा. नाशरा ने गेंद फेंकी, लेकिन उस दौरान उनका रुमाल गिर गया. वहीं, निलाक्षी ने स्वीप करना चाहा, लेकिन वह गेंद को मिस कर गईं और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया. लेकिन, बल्लेबाजों की ओर से रुमाल गिरने की शिकायत की गई. मामला थर्ड अंपायर तक पहुंचा, जहां इस बॉल को डेड बॉल करार दिया गया और निलाक्षी को जीवनदान मिल गया. हालांकि निलाक्षी 25 गेंद पर 22 रन बनाकर आउट हुईं.

पाकिस्तान-श्रीलंका के बीच खेले गए मैच के दौरान हुए इस रुमाल विवाद पर क्रिकेट गलियारों में चर्चा जारी है. एमसीसी के नियम में क्लॉज 20.4.2.6 के अनुसार, अगर स्ट्राइक पर खड़े बल्लेबाज का ध्यान गेंद खेलने से पहले किसी आवाज या किसी मूवमेंट या फिर किसी और वजह से भंग होता है तो उस गेंद को अंपायर डेड करार दिया जाता है. इस मामले में रुमाल गिरने से बल्लेबाज निलाक्षी का ध्यान

ओडिशा एफसी ने केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 के ड्रा पर रोका

भुवनेश्वर । ओडिशा एफसी ने गुरुवार को अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोककर एक-एक अंक बांट लिया।

रोमांचक मैच में केरला ब्लास्टर्स की ओर से मोरोक्कन विंगर नौहा सदौई ने 18वें और स्पेनिश स्ट्राइकर हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे जबकि ओडिशा एफसी की तरफ से केरला ब्लास्टर्स के फ्रेंच डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ् ने 29वें मिनट में आत्मघाती गोल और ब्राजीली स्ट्राइकर डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में गोल किए। नौहा सदौई को पहला गोल करने और दूसरे में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आज जगरनॉट्स द्वारा वापसी करके ड्रा खेलने स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। ओडिशा एफसी चार मैचों में एक जीत, एक ड्रा और दो हार से चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, ब्लास्टर्स द्वारा दो गोल की बढ़त गंवाकर ड्रा खेलने से स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे जरूर निराश होंगे। केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार से पांच अंक लेकर तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गए हैं।

शारजाह में स्पिन चुनौती का सामना करने ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली । युवा बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड, जो कमर दर्द के कारण दोनों अभ्यास मैचों से बाहर रहीं, के शनिवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के महिला टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार, 21 वर्षीय लिचफील्ड ने गुरुवार को अपनी टीम की साथियों के साथ प्रशिक्षण लिया और चयन के लिए उपलब्ध होने की राह पर हैं

लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों को मिस करना कठिन रहा है, लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कभी नहीं खेला है, और शनिवार के मैच से पहले उन्हें इस स्थल पर प्रशिक्षण का अवसर नहीं मिला। धीमे और स्पिनिंग ट्रैक ने पहले ही टूर्नामेंट में टीमों के लिए समस्या खड़ी कर दी है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला बालोद (छ.ग.)

सर्व साधारण को जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक नवीन कुमार पिता श्री मनोज कुमार उम्र 21 वर्ष, जाति सतनामी निवासी 242 वार्ड न. 14 ग्राम सुखरी पो मतवारी, थाना रनचिरई तहसील गुण्डरदही, जिला बालोद (छग) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम, 1954 धारा 05 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरुद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 21/10/2024 के पूर्व अधोहस्ताक्षरी के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा वह शून्य माना जायेगा।

आज दिनांक 04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं व्यालय की मुद्रा सहित जारी।

सील

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला बालोद

राजयोग से बढ़ती है कार्य क्षमता, कुशलता और दक्षता- आत्म प्रकाश भाई

माउंट आबू से आत्मज्ञान भवन बालोद पहुंचे आत्म प्रकाश भाई ने की पत्रकारों से चर्चा

भास्कर दूत

बालोद। राजयोग से लोगों में कार्य की क्षमता, कार्य कुशलता और दक्षता बढ़ती है। नियमित राजयोग मन को शांति प्रदान करता है। लोगों के मन में आत्मविश्वास जगाता है, आत्मज्ञान कराता है। इसके अलावा शक्ति की अनुभूति भी कराता है।

राजयोग जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। यह बातें माउंट आबू से आत्मज्ञान भवन बालोद पहुंचे राजयोगी ब्रह्म कुमार आत्म प्रकाश भाई ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बलोद द्वारा आयोजित संस्कार परिवर्तन से संसार परिवर्तन कार्यक्रम में पहुंचे प्रजापिता ब्रह्म कुमारी मुख्यालय माउंट आबू के राजयोगी ब्रह्म कुमार आत्म प्रकाश भाई ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान राजयोग के बारे में अनेक जानकारियां दी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा विश्व शांति के लिए चलाए जा रहे प्रयासों को बताया। उन्होंने कहा कि राजयोग को राजयोग इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सभी योगों का राजा है। यह मन से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा यह आत्मा से भी जुड़ा है जो आत्मज्ञान करता है। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान समय में दुनिया समस्याओं से जूझ रही है। सुख सुविधा के लिए, भौतिक साधन जुटाने के लिए लोग घोड़े की तरह दौड़ रहे हैं। साधन तो उन्हें मिल जाता है सुविधा तो उन्हें मिल जाती है, लेकिन इसी के साथ खुशी भी घट जाती है। ब्रह्मकुमार आत्म प्रकाश भाई ने आगे बताया कि मूल्यों के बिना मनुष्य की कोई कीमत नहीं है। हम अपने जीवन में सिद्धांतों को त्याग दें तो जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता। राजयोग इन्हीं सब बातों को सिखाता है। राजयोग इन्हीं सब बातों का ज्ञान करता है, आपको भगवान से साक्षात्कार कराता है जिसके माध्यम से हमें आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि हम अपने मन को शांत रखेंगे तो हमारा तन भी शांत रहेगा, स्वस्थ रहेगा। इसीलिए जीवन में अच्छा कार्य करना है तो हमें मन और तन स्वस्थ रखना होगा। जीवन में हम ऐसा काम करें कि लोग लंबे समय तक याद रखें।

मुस्कान के बिना मुख खिलता नहीं, सतज्ञान के बिना सत्य मिलता नहीं

पत्रकारों से चर्चा में राजयोगी ब्रह्म कुमार आत्म प्रकाश भाई ने ज्ञान की बातें बताते हुए कहा कि जिस प्रकार से बिना मुस्कान के मुख की सुंदरता नहीं खिलती है। उसी प्रकार से बिना सतज्ञान के सत्य मिलता नहीं है। आगे कहा कि राजयोग चिंता, भय और बोझ तीनों से मुक्ति कराता है, क्योंकि राजयोग से एक ऐसी शक्ति मिलती है जो सीधे परमात्मा से जुड़ती है। हमें हर रोज एक घंटा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थानों में चलाए जा रहे राजयोग में शामिल होना चाहिए।

जानिए कौन हैं ब्रम्हकुमार आत्म प्रकाश भाई

1976 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े राज योगी ब्रह्म कुमार आत्म ज्ञान प्रकाश 95 देशों में संस्था के ज्ञान को फैला चुके हैं। वे पिछले 50 सालों से संस्था में विभिन्न व दायित्वो का निर्वहन कर रहे हैं। संस्था के मुख्यालय माउंटआबू में प्रसाद विभाग के प्रभारी भी हैं। दातापन की भावना रखने वाले ब्रह्म कुमार आत्म प्रकाश भाई प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय से एमएससी गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। पूरी दुनिया में घूम-घूम कर वे राजयोग की जानकारी देते हैं।

आठ दिवसीय गरबा प्रशिक्षण शिविर का हुआ भव्य समापन

मॉडर्न आर्ट क्लब के तत्वावधान में गुजरात एवं मुंबई से गरबा प्रशिक्षक पहुँचें

भास्कर दूत

दल्ली राजहरा - मॉडर्न आर्ट क्लब द्वारा 8 सालों से गरबा प्रशिक्षण के लिए गुजरात एवं मुंबई के बेस्ट गरबा टीचर के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी सैकड़ो लोगों को गरबा की बेसिक एवं एडवांस गरबा सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में बच्चे , महिलाएं एवं पुरुष वर्ग गरबा प्रशिक्षण का भरपूर फायदा उठाएं। प्रशिक्षण में गुजरात से आए रोमी प्रजापति एवं नागेश साहू ने गरबा की बारीकियां सिखाई।लगभग आठ दिवसीय गरबा प्रशिक्षण का समय डी मैक में सुबह 6 से शाम 8 तक रहा है। कुसुमकसा, बालोद, डौंडी से काफी लोगों ने गरबा की बारीकियां सीखी। डीमैक के संचालक विजय बोरकर एवं मिलन मरई ने बताया कि हर साल सैकड़ो लोग डांस म्यूजिक एवं गरबा का प्रशिक्षण हमारे इस संस्था से लेते आ रहे हैं जिससे कि हमारे काफी स्टूडेंट स्टेट एवं नेशनल में भी कला के क्षेत्र में दल्ली राजहरा का खूब नाम रोशन कर रहे हैं। गुजरात से आए गरबा टीचर रोमी प्रजापति ने कहा दल्ली राजहरा के गृहिणी होकर भी अपने घर की जिम्मेदारी से समय निकालकर गरबा सीखने आ रहे हैं आप सब ग्रहणी कई लोगों के लिए प्रेरणा बनेंगे ।

रंगीन रोशनी से जगमगाया कोरबा रोड का माँ दुर्गा पंडाल,श्रद्धालु अधिक से अधिक संख्या में पहुंच रहे

चांपा। अग्रवाल सेवा समिति द्वारा इस बार दुर्गा पूजा का पंडाल कोलकाता के देशप्रिय पार्क की तर्ज पर बनाया गया है।यहां माँ तीन रूपों में विराजी है। माँ दुर्गा,माँ महालक्ष्मी और माँ सरस्वती की 24 फीट ऊंची प्रतिमा तैयार की गई है।इस बार यह भव्य आयोजन कोरबा रोड में सिवनी चौक के पास किया जा रहा है। अग्रवाल सेवा समिति चांपा पिछले 28 सालों से दुर्गोत्सव धूमधाम से मना रही है। अग्रवाल सेवा समिति के अध्यक्ष अजय बंसल, सचिव अनुपम गर्ग, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल राजू, उपाध्यक्ष मुरारीलाल जालान, सीए सुरेश अग्रवाल, दिनेश केडिया, संजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल आदि सदस्यों ने बताया कि इस बार दुर्गा पूजा उत्सव में खास लाइटिंग का इस्तेमाल किया गया है। वहीं विधिवत पूजा प्रथम दिन से शुरू हो गयी है।महायज्ञ पूजन के लिए मथुरा से 17 आचार्यों द्वारा प्रतिदिन सुबह 8 बजे आरती, 9:30 बजे शतचंडी पाठ और प्रतिदिन कन्या भोज और खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। इस बार यहां श्रीकृष्ण रासलीला की मनमोहक झांकी और 10 महाविद्या का चित्रण है।यहां अयोध्या में विराजे रामलला प्रतिमा का दर्शन भी भक्त कर रहे है।पंडाल के पास पार्किंग और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था डीबी वेंचर्स के डायरेक्टर धीरेंद्र बाजपेई के सहयोग से उनके स्थल में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था है। इसी तरह सुरक्षा के मद्देनजर पूरे पंडाल परिसर में सीसीटीवी कैमरा के अलावा सुरक्षा गार्ड भी लगाए गए है।

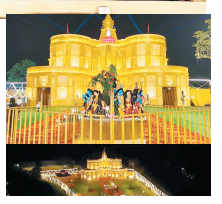

धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर, तैयारियां हो रही प्रभावित

दी सूत्रीय मांगों को लेकर 18 सितंबर से पूरे प्रदेश के 2,739 कम्प्यूटर ऑपरेटर हैं हड़ताल पर

भास्कर दूत

बालोद। दो सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश भर के धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर हैं। 18 सितंबर से जारी हड़ताल के बाद भी अब तक ना तो अफसरों ने ध्यान दिया है ना ही जनप्रतिनिधियों ने। कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई, हालांकि उन्हें आश्वासन मिला है लेकिन देखना है कि मांगें कब मानी जाती है। दूसरी ओर लंबे समय से हड़ताल में चले जाने के कारण खरीद केंद्रों में प्रारंभिक तैयारियां भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि नवंबर में धान खरीदी प्रारंभ हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के प्रतिनिधि मंडल ने कल देर रात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास में मुलाक़ात की। विगत 18 सितंबर से पूरे प्रदेश के 2,739 कम्प्यूटर ऑपरेटर अपनी 2 सूत्रीय मांग विभाग तय करने व वेतन वृद्धि को लेकर आंदोलनरत हैं। हड़ताल से धान खरीदी के पहले की तैयारियां प्रभावित हो रही है। इससे भारत सरकार की सहकार से समृद्धि योजना का क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे ने कहा कि प्रदेश के धान खरीदी ऑपरेटर खरीफ वर्ष 2007 से शासन के आदेशानुसार नियुक्त हुए हैं एवं 17 वर्षों से एक विभाग के लिए तरस रहे हैं। उपाध्यक्ष विनोद जायसवाल ने कहा कि समय समय पर वित्त निर्देश के अनुसार वेतन वृद्धि का लाभ मिलना चाहिए। सरंक्षक संतोष साहू ने कहा कि शासन का मूलमंत्र हमने बनाया है हम ही सवारेंगे इसके तहत हमारी नियुक्ति 2007 में भाजपा सरकार में ही हुई थी अत: अब सवारने की भी जिम्मेदारी मूलमंत्र अनुसार शासन की ही है। इन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में प्रदेश के मुखिया ने ऑपरेटर संघ की मांग व समस्या का शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे, उपाध्यक्ष विनोद जायसवाल, सरंक्षक संतोष साहू, जिलाध्यक्ष कवर्धा मोहन चंद्राकर, प्रदेश पदाधिकारी संदीप यादव, वैभव शर्मा, मुकुंद मानिकपुरी उपस्थित थे।

मांग पूरी होते तक जारी रहेगी हड़ताल

पिछले 17 दिनों से हड़ताल कर रहे ऑपरेटरो ने कहा है कि मांग अभी पूरी नहीं हुई है। जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक हड़ताल जारी रहेगी। ऑपरेटरो ने बताया कि मांगों को विभिन्न स्तर पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के समक्ष रखी जा रही है, लेकिन किसी के भी द्वारा अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। इससे न केवल निराशा बढ़ रही है बल्कि ऑपरेटरो में नाराजगी भी बढ़ती जा रही है।

अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर एसपी से मिले श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी

भास्कर दूत

दल्लीराजहरा - नगर में युवाओं में बढ़ती नशे की लत में अंकुश लगाने,भारी वाहनों को नगर में धीमी गति से गाड़ी चलाने एवं नवरात्रि पर्व में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की मांग को श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी में बालोद जिला एसपी कार्यालय पहुँच जिला पुलिस अधीक्षक एस.आर भगत से मुलाकात की। बैठक में श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष वीरेंद्र भारद्वाज, श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक अध्यक्ष शेखर गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र खोब्रागडे,जिला उपाध्यक्ष शेख नबी, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेश पटेल शामिल थे। चर्चा में जिला उपाध्यक्ष शेख नबी ने नगर में युवाओं एवं स्कूली विद्यार्थियों में बढ़ती नशे की समस्या से होने वाले हानिकारक अंजाम एवं समाधान पर अपनी राय रखी।पत्रकार साथियों ने जिला पुलिस अधीक्षक को बताया की दल्लीराजहरा क्षेत्र में युवा पीढ़ी में तेजी से नशे की लत फैल रही है.वहीं जवान हो रही पीढ़ी (12 से 20 साल) में नशे की लत तेजी से फैल रही है। यह नशा शराब,सिगरेट का ही नही बल्कि नगर में आसानी से उपलब्ध गांजा एवं नशीली दवाई का है। इस तरह का नशा करने की वजह से युवाओं की मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। नशेड़ी नशा करने के लिए सावर्जनिक स्थान का उपयोग करने से भी नहीं डर रहे है।नगर के चौपाटी, भीष्म रथ के पीछे,माइंस ऑफिस, बरसाटोला रोड, सप्तागिरी पार्क,शीतला मंदिर रेलवे स्टेशन के पास कई स्थानों में नशा का सेवन करते युवक दिख जायेंगे। क्षेत्र में हो रही चोरी एवं मारपीट की वारदात में नशे में शामिल युवकों की प्राथमिकता दिखाई देती है।श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक अध्यक्ष शेखर गुप्ता ने नगर प्रवेश किये भारी वाहन के तेज रफ्तार से ट्रक चलाने पर अंकुश लगाने की मांग की उन्होंने कहाँ की तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर नगर में कितनी जाने जा चुकी है।लेकिन भारी वाहन ट्रक एवं बस भी बड़ी तेज रफ्तार से नगर में गाड़ी चलाते है जिससे जान का खतरा बना रहता है पुलिस को इन वाहन चालकों को 20 या 30 की सीमित रफ्तार से नगर के मुख्य मार्ग से वाहन निकलने की सख्त हिदायत देनी चाहिए। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र भारद्वाज ने वाहन चालकों का नशा जांच यंत्र से चेकिंग एवं नवरात्रि में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने,पट्रोलिंग टीम को एक्टिव रहने के साथ सब इस्पेक्टर की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र खोब्रागडे एवं ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेश पटेल द्वारा अवैध कारोबार पर अंकुश लगा उन पर कार्यवाही तेज करने की बात कही। एसपी एस.आर भगत ने मामले में संज्ञान लेते हुए राजहरा थाना प्रभारी सुनील तिर्की को दूरभाष में स्थिति से अवगत करा तत्काल कार्यवाही को कहा। साथ ही नशे के कारोबार एवं अन्य अवैध कार्यो पर दूरभाष से तत्काल सूचना देने को कहाँ जिससे संलिप्त लोगो पर त्वरित कार्यवाही की जा सके।

नगर पालिका चांपा में हावी लाल फीताशाही

भास्कर दूत

चांपा। नगर पालिका परिषद परिषद में वर्षों से कुछ अधिकारी कर्मचारी यही जमे हुए हैं। कुछ कर्मचारी तो 20 से 25 साल से अधिक समय से यहीं जमे हुए हैं। जिसके कारण यहां लाल फीता शाही का बोलबाला हो गया है। सामान्य आदमी का काम बिना लिए दिए होता ही नहीं ।छोटे से काम के लिए लोगों को पालिका कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। बरसों जमे रहने के कारण यहां के कुछ कर्मचारी अधिकारी अनुपातहीन संपत्ति के स्वामी बन गए हैं। पालिका कार्यालय में कोई भी काम बिना लेनदेन की नहीं होता वह चाहे जन्म प्रमाण पत्र हो,भवन निर्माण के लिए एनओसी हो या मृत्यु प्रमाण पत्र हो सामान्य आदमी को लेनदेन करना ही पड़ता है तब जाकर उनका काम होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना में तो मोटा कमीशन लेकर आवास योजना की राशि रिलीज की जाने की खबर काफी समय से मिल रही है।जिस पर कई बार शिकायत भी हुई है लेकिन कार्यवाही सिफर नहीं रही है। भोजपुर मुहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि नगर पालिका के पीएम आवास प्रभारी कर्मचारी के कारण वह बड़ी मुसीबत में पड़ गए हैं।

उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त जारी नहीं की गई है, और उनका मकान अधूरा रह गया है जिसके कारण उन्हें डबल मार झेलनी पड़ रही है। वे किराए के मकान में पिछले 1 साल से ज्यादा समय से रह रहे हैं और दूसरी किस्त नहीं मिलने से उनका स्वयं का मकान निर्माण भी अधूरा पड़ा है। प्रधानमंत्री आवास योजना का यह कोई पहला और आखिरी मामला नहीं है ऐसे सैकड़ो मामले हैं।

पीएम आवास योजना में सर्वाधिक भर्राशाही वर्षों से यहीं जमे हैं कई आधिकारी कर्मचारी

संक्षिप्त समाचार

गन्ना किसान संघ की बैठक आज

बालोद। बालोद जिला गन्ना किसान संघ की बैठक 6 अक्टूबर को झलमला स्थित साहू सदन घोटिया चौक के पास रखी गई है। जिला गन्ना किसान संघ के संरक्षक छगन देशमुख एवं अध्यक्ष तेजराम साहू ने बताया कि बैठक दोपहर 1 बजे रखी गई है इसमें समर्थन मूल्य सहित कई विषयों पर चर्चा की जाएगी। पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से उपस्थित होने की अपील की है।

ग्राम पररेगुड़ा में भोला दशहरा एवं नवाखाई महोत्सव आज

बालोद। छत्तीसगढ़ के भोलापठार ग्राम पररेगुड़ा में भोला दशहरा एवं नवाखाई महोत्सव 06 अक्टूबर दिन रविवार को रखा गया है। कार्यक्रम में सुबह 08 बजे से ग्राम देव् पूजा, सुबह 10 बजे से सभी देवों का भोलापठार में पदार्पण एवं आदिवासी संस्कृति का विशाल झांकी ,गेड़ी एवं मांदरी नृत्य, रेलापाटा, आंगादेव की झांकी, राउत नाचा, पंथीनृत्य एवं अंतस सांस्कृतिक लोक कलामंच भिलाई की प्रस्तुति तुशांत बारले एवं खुमेश मानिकपुरी द्वारा की जाएगी।

अतिथि आगमन दोपहर 01 बजे से होगा विशिष्ट अतिथि श्रीमती संगीता सिन्हा विधायक संजारी बालोद, श्रीमती रमशीला साहू पूर्व केबिनेट मंत्री (छ. ग. शासन), राकेश यादव छाया विधायक संजारी बालोद, रमेश साहू, संरक्षक प्रदेश साहू समाज, श्रीमती मीना सत्येंद्र साहू सभापति जिला पंचायत बालोद, श्रीमती प्रेमलता साहू जनपद अध्यक्ष बालोद, केदार देवांगन सदस्य जिला पंचायत बालोद , कुंवर लाल महेन्द्र, श्री निवेन्द्र सिंह टेकाम, समाजसेवी (राजा लोहारा), चंदू लाल मरकाम समाजसेवी भिलाई रहेंगे। यह कार्यक्रम समस्त ग्रामवासी द्वारा हर वर्ष मनाया जाता है। भोलापठार घने घनघोर जंगल पहाड़ो के बीच में भगवान भोलेनाथ विराजमान है यहां हजारो श्रद्धालू दर्शन करने आते है ,यह मंदिर जिला मुख्यालय से महज 15 कि. मी. की दूरी पर स्थित परेंगुडा (करहीभदर) में है ,जिसमे भोलापठार समिति के अध्यक्ष राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित श्री रामजी ठाकुर, महासचिव -भुवन उईके, उपाध्यक्ष-जोहन प्रधान ,रामहु राणा,टी पी कौशल सचिव -पुरुषोत्तम निषाद,कोषाध्यक्ष -महेंद्र तारम ,मंच संचालन परमानंद गुरूपंच,संयुक्त सचिव -लेवेंद्र (उर्फ पप्पू चंद्राकर) एवं जनजागरण सेवा समिति समस्त ग्रामवासी परेंगुडा करहीभदर साथ ही सहयोगी जनप्रतिनिधियों का सम्मान , ग्राम पंचायत पररेगुड़ा (सरपंच श्रीमती विमला देहारी) ग्राम पंचायत करहीभदर(सरपंच श्री लीलाराम डड़सेना) ग्राम पंचायत अमोरा (सरपंच श्रीमती अमिता कुलदीप) द्वारा किया जायेगा। उक्त जानकारी भोलापठार मीडिया प्रभारी सूरज कौशिक ने दी।

आवास मित्र चयन हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास मित्र / समर्पित मानव संसाधन हेतु 20 सितम्बर 2024 सायं 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि निर्धारित तिथि तक कुल 2155 आवेदन प्राप्त हुए है। चयन समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर स्क्रूटनी पश्चात् पात्र/अपात्र सूची जारी किया गया है। उपरोक्त पद हेतु जारी सूची एवं सूचना का अवलोकन करते हुए निर्धारित प्रारूप में 10 अक्टूबर 2024 सायं 5 बजे तक रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार / मान्य नही की जावेगी। दावा आपत्ति आवेदन का प्रारूप एवं विस्तृत विवरण जिले के वेब साईट https://janjgir-champa.gov.in तथा कार्यालय जिला पंचायत, जनपद पंचायत के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

निधनःबसंत दुबे

पाटन । दुर्ग जिले के ग्राम फूंडा (पाटन) निवासी स्व.रोहणी दुबे व स्व.खेदूप्रसाद दुबे के सुपुत्र बसंत दुबे उम्र 64 साल अस्थायी निवास चंगोराभाठा रायपुर निवास का शनिवार को रायपुर में निधन हो गया। है।वे काफी दिनों अस्वस्थ थे।

जिनका अंतिम सस्कार शनिवार5 अक्टूबर की सुबह 11 बजे महादेव घाट रायपुरा स्थित मुक्तिधाम में किया गया।

वे किरण दुबे के पति थे।उनके दो बच्चे हैं।वे इंजीनियर पवन शर्मा भिलाई, डॉ.संतोष शर्मा राजिम,प्रमोद शर्मा भिलाई, कल्याणी त्रिपाठी पद्मनाभपुर दुर्ग,किरण शर्मा बेमेतरा करूणा शर्मा के भाई थे ।उनकी अंतिम यात्रा शनिवार सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान चंगोराभाठा रायपुर से निकली। वे पत्रकार राकेश मिश्रा के बड़े फूफा जी थे।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा । जिले में आंगनबाड़ी सहायिका के 05 रिक्त पद के लिये भर्ती प्रक्रिया 08 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ होगी। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर 2024 तक निर्धारित है। वार्डवार सहायिका के रिक्त पदों की जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा (शहरी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदिकाओं को उसी वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है। आवेदन पत्र पर पद एवं केन्द्र के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना आवश्यक होगा।

दैनिक भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर, रविवार 06 अक्टूबर 2024

शहर में नवरात्रि की धूम

गांधी चौक | गुरूद्वारा रोड | इंदिरा नगर चौक | गंज मण्डी बसंतपुर | शीतला मंदिर रोड | तिरंगा चौक

छुरिया क्षेत्र के नक्सल प्रभावित झाड़ीखैरी के सरपंच से त्रस्त हैं ग्रामीण

सीएम से मांगी सामूहिक आत्महत्या की अनुमति!

भास्कर दूत

राजनांदगांव। जिले की जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत सुदूर नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत झाड़ीखैरी के सरपंच से दुखी ग्रामवासियों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मोर्चा इस तरह खोला है कि उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम पत्र लिखते हुए न्याय के अंतिम प्रयास में सामूहिक आत्महत्या के लिए अनुमति मांगी है। जाहिर है कि मामला बहुत संगीन है और इस तरह के पत्र से मुख्यमंत्री सहित राज्य शासन को अविलंब कार्यवाही के लिए बाध्य होना पड़ सकता है?

ज्ञात हो कि अपने गांव के सरपंच से नाराज चल रहे ग्रामीणों ने तीन साल से लगातार शिकायतों के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होने से नाराज होकर शुक्रवार को डोंगरगांव एसडीएम कार्यालय में ताला ठोंक दिया था और देर शाम तक सभी ग्रामीण कार्यालय परिसर के बाहर बैठे रहे।

इस कारण तीन साल तक नहीं हुई कार्यवाही?

ग्राम झाड़ीखैरी के कन्हैया, जगनू राम, चंद्रशेखर, सोमेश्वर, शिव कुमार, बसंत कुमार, भुलेश कुमार, हिरदेराम, लुमन लाल मंडावी इन सब ने बीते 28 सितंबर को मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि गांव के लोग पिछले तीन साल से अपने सरपंच हेमसिंह निर्मलकर के खिलाफ उच्च स्तरीय शिकायत करते आ रहे हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि उक्त सरपंच कांग्रेसी और नक्सली विचारधारा का होने के कारण उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती थी, लेकिन अब कार्यवाही की उम्मीद के साथ विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को जिताया। गांव वालों ने मुख्यमंत्री को बताया है कि सरपंच के खिलाफ लगातार शिकायत करते रहे, किंतु भाजपा सरकार आने के बाद उनके (मुख्यमंत्री के) हस्तक्षेप से कलेक्टर ने तहसीलदार द्वारा जांच समिति का गठन कराया। जांच में सरपंच के विरुद्ध 20 लाख की खानगी पाई गई। गांव वालों ने कहा है कि उन्होंने पूर्व में प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं करने की मजबूरी को लेकर सवाल उठाया था। ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया है कि 20 लाख की रिकवरी की फाइल एसडीएम डोंगरगांव के समक्ष रखी हुई है। झाड़ीखैरी सरपंच के साथ एसडीएम डोंगरगांव की सांठगांठ के चलते सरपंच के विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

पत्र में यह भी कहा गया है कि शासन के निर्देशों का पालन न करना अधिकारियों का शायद शौक हो गया है। उन्हें शासन का डर बिल्कुल भी नहीं रह गया है। पत्र के अंत में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे सरपंच के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्रामीणों को न्याय दिलाएं, नहीं तो एक हफ्ता बाद सामूहिक आत्मदाह करने की अनुमति प्रदान करें। निश्चित तौर से इस प्रकार का पत्र शासन-प्रशासन के कान खड़े करने के लिए काफी है। ग्रामीणों ने अपने सरपंच के विरुद्ध बिंदुवार डेढ़ दर्जन से ज्यादा शिकायतें की हैं।

सरपंच को आखिर किस नेता का संरक्षण?

मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए ग्रामीणों ने सरपंच और एसडीएम से मिलीभगत होने की बात तो स्पष्ट कर दी है, लेकिन प्रश्न उठता है कि शिकायतें होने के बावजूद सरपंच को आखिर किस नेता या नेत्री का संरक्षण मिल रहा है, जिसकी वजह से उनके खिलाफ कोई कार्यवाही आज तक नहीं हो रही है? क्या तत्कालीन क्षेत्रीय विधायक खुज्जी छन्नी साहू का संरक्षण प्राप्त है अथवा वर्तमान विधायक भोलाराम साहू का या फिर जिला कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू का? उक्त सरपंच प्रदेश कांग्रेस के किसी अन्य नेता/नेत्री का वरदहस्त प्राप्त तो नहीं? यह भी बड़ा सवाल है। अब देखना है कि सत्ता परिवर्तन के बाद ग्रामीणों ने बहुत उम्मीद करके भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शिकायत की है तो सरपंच के विरुद्ध आगे क्या कार्यवाही होती है?

संस्कारधानी में आज से रहेगी रास गरबा की धूम

छत्तीसगढ़ के कलाकार भी करेंगे शिरकत

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। पद्मश्री पंडित गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आज से रास गरबा की धूम रहेगी। नवरात्रि के पर्व पर मां शक्ति की आराधना करते हुए श्री राष्ट्रीय करणी सेना और पद्मावत महिला कल्याण समिति तथा श्री कृष्ण सांस्कृतिक महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में 6 से 9 अक्टूबर तक राज गरबा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में छत्तीसगढ़ के कलाकार शिरकत करेंगे। वही संस्कारधानी के लोग भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। वहीं कार्यक्रम में अलग-अलग राज्यों में प्रचलित राज गरबा पैटर्न की भी प्रतियोगिताएं होंगी। जिस पर प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग पुरस्कार की राशि रखी गई है। आयोजन समिति से जुड़े सदस्यों ने बताया कि 6 अक्टूबर से आयोजन की शुरुआत की जा रही है। इस दौरान देश के नामी कलाकार तरार भी बतौर निर्णायक कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। आयोजन में जिले के अलग-अलग क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति ने समाज के अलग-अलग क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों का चयन कर उन्हें सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह का भी आयोजन रखा है। रास गरबा के इस आयोजन के दौरान समाज सेवाओं का सम्मान किया जाएगा।

अवैध गांजा बिक्री : आरोपी को दो साल की सश्रम सजा

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। अवैध रूप से गांजा बिक्री व परिवहन के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दो वर्ष का सश्रम कारावास व बीस हजार रूपये का अर्थदंड व प्रकरण में जप्तशुदा मोटर सायकल को राजसात करने का आदेश जारी किया है।

जानकारी के अनुसार न्यायालय विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट), राजनादगाँव पीठासीन न्यायाधीश डी.आर. देवांगन द्वारा विचारण उपरान्त अवैध रूप से गांजा बिक्री व परिहन करने के मामले में आज दिनाँक 05.10.2024 को फैसला सुनाते हुए अभियुक्त के विरूद्ध आरोप साबित पाये जाने पर अभियुक्त पुष्पेन्द्र सिंह आ. मृत्युंजय सिंह, आयु 42 वर्ष, निवासी खैरागढ़ वार्ड नंबर 02, थाना खैरागढ़ को धारा 20 (ख) (2) (ख) स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अधीन दो वर्ष का सश्रम कारावास तथा 20 हजार रूपये का अर्थदंड तथा अर्थदंड अदा न किये जाने की दशा में एक माह का सश्रम कारावास की सजा अतिरिक्त भुगताये जाने का दण्डादेश पारित किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण में जप्तशुदा मोटर सायकल होण्डा साईन को राजसात किये जाने आदेशित किया गया है।

मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक (एनडीपीएस एक्ट) राजनांदगाँव श्री धन्नू लाल सेन ने बताया कि 8 दिसंबर 2023 को थाना मोहगांव, जिला खैरागढ़ छुईखदान-गंडई के निरीक्षक धर्मेन्द्र वैष्णव को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति एक ग्रे कलर की होण्डा साईन मोटर सायकल में भूरे रंग के लाईनिंग बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर गंडई से साल्हेवारा की ओर बिक्री करने जा रहा है। सूचना के आधार पर एनडीपीएस के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करते हुये थाना मोहगांव के पुलिस बल मौका रवाना हुये तथा मुखबीर के बताये अनुसार थाना मोहगांव के सामने मेन रोड में पहुंचकर नाकाबंदी कर कार्यवाही की गई, जहाँ एक ग्रे कलर की होण्डा साईन मोटर सायकल में एक व्यक्ति कंधे में भूरे रंग का लाईनिंग पिट्ठू बैग रखे मिला, जिससे पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पुष्पेन्द्र सिंह बताया। विधिवत कार्यवाही करते हुये आरोपी के कब्जे से चार किलो कीमत लगभग 60,000 रूपये को बरामद किया गया। आरोपी पुष्पेन्द्र को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया तथा संपूर्ण जांच उपरान्त अभियोग पत्र विचारण हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था।

ब्रम्हाकुमारीज द्वारा चैतन्य झांकी

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शारदीय नवरात्रि पर ब्रम्हाकुमारीज द्वारा गोकुल नगर के आगे डोंगरगांव रोड पर बिजली सब स्टेशन के पास ज्ञान मानसरोवर में आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी का शुभारंभ महापौर हेमा देशमुख द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. रुबीना अल्वी माउंट आबू से पधारे आत्म प्रकाश भाई, रोहित भाई, सेवा केंद्र की संचालिका ब्रम्माकुमारी पुष्पा बहन, प्रभा बहनजी, मुरलीधर सोमानी भाई, चैतराम वर्मा उपस्थित थे। यह झांकी 11अक्टूबर तक प्रतिदिन सायं सात बजे से रात्रि 10 बजे तक भक्तजनों के दर्शनार्थ निःशुल्क खुली रहेगी। झांकी में संगीतमय कामेंट्री के माध्यम से विशाल मंच पर विराजित शिवशक्तियाँ माँ दुर्गा, श्री लक्ष्मी, सरस्वती, काली और गायत्री देवी आदि की महिमा का लाइट एंड साउण्ड के माध्यम से प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र है।

विवाद होने पर मंडी की निविदा निरस्त

पांच कार्यों के लिए नए टेंडर बाद में बुलाए जाएंगे- मंडी सचिव

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। बसंतपुर स्थित आदर्श कृषि उपज मंडी समिति द्वारा मंडी परिसर में पांच विकास निर्माण कार्यों के लिए बुलाई गई निविदा विवाद की स्थिति बनने के कारण निरस्त कर दी गई है। पहले जारी की गई निविदा में कुछ ठेकेदार मंडी प्रशासन से नाराज हो गए थे। वे डीडी प्रस्तुत करके जमा की गई राशि वापस करने की मांग कर रहे थे। इधर मंडी सचिव ने बताया कि विवाद की स्थिति बनने के कारण निविदा निरस्त कर दी गई है। अब उन सभी पांच कार्यों की फिर से निविदा बुलाने के लिए मंडी बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा।

जानकारी के अनुसार मंडी समिति ने शासन द्वारा स्वीकृत पांच विकास निर्माण कार्यों के लिए ठेकेदारों से 30 सितंबर तक निविदा आमंत्रित की थी। अंतिम तिथि तक प्राप्त निविदाओं को 7 अक्टूबर अपराह्न तीन बजे ठेकेदारों और उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाना था, लेकिन इसमें कुछ ठेकेदार यह कह रहे थे कि मंडी प्रशासन द्वारा राजनीतिक इशारे पर मनमानी की जा रही है। आखिरी तारीख तक 12 आवेदन आ चुके होने की बात कही जा रही थी, लेकिन अनेक ठेकेदारों को फार्म ही नहीं दिया जा रहा था। सचिव से पूछे जाने पर उनके द्वारा नोटरी नहीं कराए होने की बात कह कर टाला जा रहा था, जबकि नोटरी कराने का कोई प्रावधान नहीं था। इधर मंडी सचिव संतराम बोमले का कहना है कि अपर कलेक्टर एवं मंडी के भारसाधक अधिकारी इंदिरा नवीन सिंह द्वारा निविदा निरस्त कर दी गई है। अब नए टेंडर के लिए मंडी बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। मंडी बोर्ड से नई तारीख आने के बाद ज्ञापन निकाला जाएगा।

मंडी में इन पांच कार्यों के लिए हुआ था टेंडर

जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग भवन/ सड़क कार्य हेतु 1 जनवरी 2015 एवं विद्युत कार्य हेतु 1 जुलाई 2015 से प्रभावशील एस ओ आर के तहत मंडी प्रांगण में 5000 लीटर धारण क्षमता की पानी टंकी 20 लाख रुपए अनुमानित लागत से बनाई जानी है, जिसके लिए 6 महीना की अवधि दी गई थी। अनाज मंडी प्रांगण एवं थोक फल सब्जी मंडी प्रांगण में 14.14 लाख की लागत से लैंडस्केपिंग कार्य 18.71 लाख से कवर्ड शेड कैंटीन ऑफिस बिल्डिंग टॉयलेट रिपेयर कृषक विश्राम गृह 12.78 लाख की लागत से 200 मैट्रिक टन धारण क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए क्रमशः चार-चार महीना की अवधि दी गई थी। साथ ही 7.81 लाख रुपए की लागत से साइकिल स्टैंड बनाने 3 महीना की अवधि दी गई थी। अब इन सभी कार्यों के लिए नई निविदा आमंत्रित की जाएगी। इससे पहले मंडी बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। बोर्ड से नई तारीख आने के बाद ही टेंडर आमंत्रित करने संबंधी ज्ञापन निकाला जाएगा।

धर्मनगरी में मिला पटाखे का जखीरा

डेढ़ लाख कीमती 51 पेटी पटाखे जप्त

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। डोंगरगढ़ में पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर 51 पेटी अवैध पटाखे का जखीरा बरामद किया है। बाजार में इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा आंकी गई है। दरअसल पुलिस को भनक लगी थी कि एक व्यक्ति द्वारा एक राईस मिल में अवैध रूप से पटाखा डंप किया हुआ है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस को कुम्हड़ाटोला स्थित एक राईस मिल में अवैध कारोबार करने की नियत से भारी मात्रा में पटाखा डंप करने और ग्राहक तलाश करने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने 4 अक्टूबर को राईस मिल में दबिश देकर 51 पेटी अलग-अलग पटाखे जब्त किए। पुलिस ने डोंगरगढ़ के रहने वाले शिव अग्रवाल नामक व्यक्ति को इस मामले में सीधे लिप्त पाया है। पुलिस ने कारोबारी शिव अग्रवाल के वाहन की भी जांच की, लेकिन संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, बल्कि उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध पटाखा मिला। पुलिस के सामने आरोपी ने बिना लाईसेंस और दस्तावेज के पटाखा बेचना कबूल किया है। त्यौहारी सीजन में डोंगरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखा कारोबारियों को सतर्क रहने का संदेश दिया है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 98 के तहत अपराध दर्ज किया है।

पुलिस को आरोपी के पास से भारी मात्रा में फूलझड़ी, अनारदाना, स्केन स्पार्कर, चिड़चिड़ा पटाखा, चकरी पटाखा समेत अलग-अलग पटाखे बाक्स से मिला है। माना जा रहा है कि पुलिस की इस तरह की कार्रवाई में त्यौहारी सीजन में और तेज आएगी।

प्रिसिशन इंजी वर्क्स
स्टील अलमारी, स्ट्रोंग रूम गेट
सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।
पता : इण्डस्ट्रियल एरिया, जी.ई.रोड़, राजनांदगांव
मो.9406011669

मोतीपुर में जन्मदिन पार्टी में बवाल, चार गिरफ्तार

मानव मंदिर चौक पर ट्रेफिक जाम करने पर कार्यवाही

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। नवरात्रि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पुलिस द्वारा तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की गई। साथ ही दो लोगों के खिलाफ धारा 170/126, 135 (3) बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर जेल भेजा गया। इसके साथ ही नाबालिग को मोटरसायकल चलाने देने पर वाहन स्वामी के खिलाफ और मानव मंदिर चौक में रास्ता जाम कर देर रात्रि मोटर कार लगाकर केक काटने वाले वाहन चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल के तहत कार्यवाही की गई।

पुलिस के अनुसार अनावेदकों के नाम लावेश गेड़ाम पिता स्व. विनोद गेड़ाम उम्र 21 वर्ष निवासी रविदास नगर वार्ड नं. 03 मोतीपुर ओपी चिखली थाना कोतवाली राजनांदगांव और आरसील मेश्राम पिता रवि मेश्राम उम्र 19 वर्ष साकिन फुलवारी पारा चंदन नगर वार्ड नं. 02 मोतीपुर, कुमार चतुर्वेदी पिता उदराज चतुर्वेदी उम्र 40 वर्ष निवासी सूर्या नगर रिंग रोड थाना छावनी भिलाई और हनीफ गोरी पिता हमीद गोरी उमर 40 वर्ष निवासी ठाकुर दैय्या चौक नंदई राजनांदगांव हैं।

पुलिस के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में शारदीय नवरात्रि पर्व के दौरान शहर में शांति व्यवस्था बनाये रखने असामाजिक तत्वों एवं यातायात नियमों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आज पांच अक्टूबर को सूचना प्राप्त हुई कि तुलसीपुर रेल्वे फाटक के पास जन्मदिन पार्टी मनाने की बात को लेकर कुछ लोग वाद-विवादकर आपस में झगड़ रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस स्टॉफ ने पहुंचकर समझाने का प्रयास किया गया, जिस पर अनावेदक लावेश गेड़ाम पिता स्व. विनोद गेड़ाम उम्र 21 वर्ष निवासी रविदास नगर वार्ड नं. 03 मोतीपुर राजनांदगांव, आरसील मेश्राम पिता रवि मेश्राम उम्र 19 वर्ष निवासी फूलवारी पारा चंदन नगर वार्ड नं. 02 मोतीपुर राजनांदगांव द्वारा पुलिस को देखकर काफी उत्तेजित होकर मारने पीटने पर उतारू हो गये, जिस उन्हें गिरफ्तार कर धारा 126, 135 (3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जेल वारंट जारी होने पर जिला जेल में दाखिल किया गया।

नाबालिग से बाइक चलवाने पर कार्यवाही

इसी तरह शहर के भीड़भाड़ वाले मार्ग पर मोटरसायकल के स्वामी अनावेदक कुमार चतुर्वेदी पिता उदराज चतुर्वेदी उम्र 40 वर्ष निवासी सूर्या नगर रिंग रोड थाना छावनी भिलाई द्वारा अपनी मोटर सायकल को नाबालिग को चलाने देकर मोटरयान अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करना पाये जाने से अनावेदक को धारा 3/181, 4/181, 5/180 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई।

नो पार्किंग में केक काटना महंगा पड़ा

देर रात्रि मानव मंदिर चौक में नो पार्किंग पर मोटर कार लगाकर रास्ता जाम कर केक काटने वाले व्यक्ति पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने के संबंध में मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 117/177, 119/177 के तहत कार्यवाही की गई है।

ALL IN ONE COMPUTER INSTITUTE
& SPOKEN ENGLISH CLASSES
नवरात्रि के शुभ अवसर पर 9 दिनों मे से किसी भी एक दिन प्रवेश लेने पर 1000₹ की विशेष छूट।
सभी सरकारी नौकरियों में मान्य छ.ग. शासन द्वारा मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर डिप्लोमा कोर्सेस
1000/- विशेष छूट
BCA, DCA, PGDCA
1000/- विशेष छूट
KARAN SAHU
FEES STRUCTUTRE-2024-25
-7000071773

S.NO.	COURSE	FEES	DURATION
1	BCA	15500	3 YEAR
2	DCA	12000	1 YEAR
3	PGDCA	14000	1 YEAR
4	TALLY	3000	2 MONTH
5	MS-OFFICE	5000	3 MONTH
6	MS-OFFICE+ TALLY	7500	6 MONTH

नवरात्रि के शुभ अवसर पर 9 दिनों मे से किसी भी एक दिन प्रवेश लेने पर 1000₹ की विशेष छूट
सभी सरकारी नौकरियों में मान्य छ.ग. शासन द्वारा मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर डिप्लोमा कोर्सेस
For More Detail. : 70000-71773
पता - दिग्विजय कॉलेज के सामने, गोपी बर्तन के पास, ट्रांसफार्मर के सामने, राजनांदगांव (छ.ग.)

दैनिक भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर, रविवार 6 अक्टूबर 2024

जब दुश्मनों को भारतीय सेना के चौकस कमांडों ने मारा गिराया

भास्कर दूत

रायपुर। पुख्तासूत्रों से भारतीय सेना को खबर मिली कि दुश्मन हमारे देश में एक और आतंकवादी हमले की तैयारी कर रहे है। भारतीय सेना ने दुश्मन के मंसूबों को नाकामयाब करने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने का फैसला लिया। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए भारतीय सेना की 6/11 गोरखा राइफल्स और 1 असम रेजिमेंट के चुनिंदा कमांडोज स्पेशल हेडक्वार्टर्स और संचार केंद्र पर हमले की तैयारी कर रहे थे, तभी दुश्मन के टारगेट की पुख्ता जानकारी हासिल करने के लिए क्लोज टारगेट रेकनिसन्स ऑपरेशन शुरू किया और ड्रोन ने दुश्मन के टारगेट की खोजबीन शुरू की। रात के अंधेरे में किए जाने वाले डिमांस्ट्रेशन की कार्रवाई सुबह की। घातक पलटन के कमांडोज दुश्मन के नजदीक से नजदीक जाकर बिना सरप्राइज खोये दुश्मन के संतरी को मार गिराया। ऐसे रेड की कार्रवाई साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सैन्य समारोह में दिखाई दी। इस कार्रवाई को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए।

इस कार्रवाई के दौरान जवानों ने दुश्मन के संचार केंद्र को विस्फोटक लगाकर नेस्तनाबूत कर दिया। इसके बाद दुश्मनों का हेडक्वार्टर्स से संपर्क टूट गया और फिर जवानों ने दुश्मनों के हेडक्वार्टर पर हमला बोल दिया। अत्यधिक फायर कर कमांडोज ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए सेंट्रीज को मार गिराया। फिर डेमोलिशन टीम ने हेडक्वार्टर्स पर बम लगाकर उसे उड़ा दिया। असाल्ट से घबराकर भागते हुए दुश्मन को चौकस कमांडोज ने मार गिराया। इस तरह दुश्मनों के हेडक्वार्टर को घातक टोली ने नेस्तनाबूत कर दिया।

सशस्त्र सैन्य समारोह

डेयर डेविल्स के करतब से रोमांचित हुए दर्शक, डबल क्रासिंग ने खूब किया आकर्षित

बस्तर के युवाओं ने घुड़सवारी में दिखाया साहसिक करतब

बस्तर के युवाओं ने घुड़सवारी में दिखाया साहसिक करतब

सैन्य समारोह में बस्तर के युवाओं ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया। घुड़सवारी के माध्यम से अपनी प्रतिभा दर्शकों को दिखाई। घोड़े में बैठकर युवाओं ने कबूतर को आजाद किया और बाइक के ऊपर से उछलकर पार किया और सामने बैठे एक व्यक्ति के सामने से तेजी के साथ घोड़े ने पार कर लिया, जिसके साहसिक परिचय को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए।

डेयर डेविल्स के करतब से रोमांचित हुए दर्शक

भारतीय सेना के डेयर डेविल्स ने अपने करतब और अदम्य साहस का परिचय देते हुए रोमांचित कर दिया। डेयर डेविल्स के डबल क्रॉसिंग, पेरलल क्रॉसिंग के करतब को देखकर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। सैल्यूट करते हुए हर जवानों ने चलती हुई मोटरसाइकिल में विपरीत दिशा में सैल्यूट किया। इसके अलावा चलती हुई मोटरसाइकिल पर टैंक के ऊपर विपरीत दिशा में खड़े होकर मोटरसाइकिल चलाते हुए और मोटरसाइकिल की सीट को खाली छोड़कर सम्मान प्रकट किया। इसके साथ ही जंबाज सैनिकों ने मोटरसाइकिल में कमल की आकृति बनाकर प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री साय ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर नवा रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया

भास्कर दूत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवरात्रि के पावन अवसर पर आज विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवा रायपुर में नवनिर्मित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी से आशीर्वाद ग्रहण कर गृह प्रवेश किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रानी डेका काकोटी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस सहित अनेक विधायक और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। गृहप्रवेश कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री को बधाई और शुभकामनाएं दी।

55 साल के बुजुर्ग ने देवता को दी अपनी बलि

धारदार कैंची से काटा खुद का गला, मौके पर मौत

भास्कर दूत

धरसींवा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. धरसींवा के निनवा गांव में एक श्रद्धालु ने देवता के सामने ही अपनी गर्दन काटकर बलि दे दी. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. बताया जा रहा है कि व्यक्ति ने कैंची से अपने गर्दन को काटा है.

मिली जानकारी के अनुसार, धरसींवा के निनवा गांव निवासी 55 वर्षीय भुनेश्वर यादव ने अपने घर के अंदर स्थित देवस्थान के सामने कैंची से अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद देवस्थान वाला कमरा खून से लथपथ हो गया. यह घटना आज सुबह लगभग 11:30 की बताई जा रही है. घटना कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. इस मामले में अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश मिश्र ने कहा कि कोई भी देवी देवता प्राण की बलि नहीं मांगता है. अगर ईश्वर को आप अपना मानते हैं, तो कोई भी नहीं कहेगा की उसके लिए आप अपनी जान दे दें. ये एक प्रकार का अंधविश्वास है जिससे लोगों को बचना चहिए. इससे पहले भी कई बार ऐसे बातें सामने आई है कि लोग अपनी जीभ, उंगली काट लेते हैं ये सब अंधविश्वास है और इससे लोगों का ही नुकसान है.

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार के मामले में सीएमओ ममता चौधरी निलंबित, आदेश जारी

रायपुर. राज्य सरकार ने लैलूंगा की सीएमओ ममता चौधरी को भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित कर दिया है. ममता चौधरी नगर पंचायत लैलूंगा में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर तैनात थीं. उन पर आरोप है कि 2016-17 में नगर पंचायत किरोड़ीमलनगर में अध्यक्ष और पार्षद निधि से डस्टबीन की खरीद में अनियमितता की गई थी. जांच के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

पूर्व में भी हो चुका है निलंबन

बता दें, ममता चौधरी पहले भी एक बार निलंबित हो चुकी हैं. उनके निलंबन का यह दूसरा मामला है. सरकारी आदेश में बताया गया है कि उनकी शिकायतों की जांच के बाद यह निर्णय लिया गया. ममता चौधरी का मुख्यालय निलंबन अवधि में संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर नियत किया गया है. इस अवधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी.

कला केंद्र में नवरात्र पर हो रहा रास गरबा

बालोद। कला केंद्र बालोद के द्वारा संजारी क्लब बालोद में 3 अक्टूबर नवरात्रि के प्रथम दिवस से 7 अक्टूबर पंचमी तक प्रतिदिन रात्रि 8 से 10 तक मातृशक्ति के द्वारा रास गरबा एवम डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया है। प्रतिदिन रात्रि 7.45 से मां भगवती की महा आरती के साथ मातृशक्ति के द्वारा धार्मिक भजन से राज गरबा डांडिया प्रस्तुत होता है। रास गरबा के अंतिम प्रस्तुति के बाद रात्रि 10 बजे प्रत्येक दस प्रतिभागी दस मातृशक्ति को मंच के माध्यम से अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाता है। विशेष पुरस्कार के रूप में प्रतिदिन एक बेस्ट प्रतिभागी को एक चांदी का सिक्का प्रदान किया जाता है। प्रतिदिन रास गरबा मातृशक्ति प्रतिभागियों के लिए जलपान व्यवस्था की जाती है। इस कार्यक्रम में शहर के श्री श्रीमान ज्वेलर्स, अग्रवाल कलेक्शन, विजय ज्वेलर्स ,अरिहंत मोबाइल, गढ़ कलेवा, आइसेक्ट कंप्यूटर , परचानी फटाका दुकान, अटल दुबे, साइन प्रिंटर्स एवम अन्य जनमानस के द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ है। रात्रि 10 के बाद आभार एवम प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाता है। इस कार्यक्रम के सफल समस्त कला केंद्र के स्टॉफ , जीतू सोनी, छोटेलाल चंद्राकर, तरुण बरतिया, जयकरण परिहार , देवेंद्र साहू, एवम प्रशिक्षक के रूप में डॉ शैलेंद्र स्वर्णकार विशेष का योगदान रहता है।

जिला जेल बलौदा बाजार में मिलने वालों के लिए कोई सुविधा नहीं, मिलन हुआ सपना जिम्मेदार मौन

भास्कर दूत

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में हाल ही में हुए आगजनी कांड के सिलसिले में विशेष समुदाय के करीब 180 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। यह मामला अभी पुलिस प्रशासन और न्यायालय के बीच लंबित है। इस बीच, गिरफ्तार लोगों के रिश्तेदार और परिवार वाले जेल में उनसे मिलने के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें मिलने के दौरान कई असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जेल में मिलने वालों के लिए एक मात्र व्यवस्था एक ढाई बाई तीन की खिड़की है, जिसमें तीन लैंडलाइन फोन लगे हैं। एक फोन से नंबर दर्ज किया जाता है और दो अन्य फोन से बातचीत होती है। इस दौरान, जेल के अंदर बैठे व्यक्ति की जाली इतनी छोटी है कि वह ठीक से दिखाई नहीं देता। इससे ऐसा लगता है जैसे किसी कॉन्फ्रेंस कॉल में बात हो रही हो, जहाँ आवाज़ तो आ रही है लेकिन व्यक्ति को देखा नहीं जा सकता। यह व्यवस्था परिवार वालों के लिए अत्यंत दुखद अनुभव है।

परिजनों ने जेल प्रशासन से मांग की है कि मिलने वालों के लिए स्पष्ट और सीधी बातचीत की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें चेहरा साफ दिखाई दे। इसके अलावा, तेज धूप में छांव, पानी पीने की सुविधा, और बैठने की उचित व्यवस्था की भी मांग की गई है।

जेल में अन्य कई बंदियों के परिजनों को भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बातचीत के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं होने के कारण परिजन असमंजस में रहते हैं। ऐसे में समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए, जिससे किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसके साथ ही, महिलाओं, पुरुषों, दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग-अलग लाइन की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। जल्द ही इस मुद्दे को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, लेकिन वर्तमान में मिलने वाले लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह खबर प्रकाशित की जा रही है।

सुख हो या दुख, धैर्य कभी ना छोड़ें,,,रुचिता तिवारी

महादेव भवन में भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास रुचिता तिवारी का देवी भागवत प्रवचन

भास्कर दूत

बालोद। श्री दुर्गा मंदिर समिति गंजपारा बालोद के तत्वावधान में महादेव भवन गंजपारा बालोद में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास लाडली रुचिता तिवारी ने व्यास जन्म, पांडव की कथा, सत्यवती उत्पत्ति, कौरव पांडव की उत्पत्ति, परीक्षित मृत्यु की कथा सहित अनेक प्रसंग सुनाई। पांडव की उत्पत्ति की कथा में उन्होंने कहा कि सुख हो या दुख हो हमें धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए। धैर्य व एकाग्रता छोड़ने का परिणाम बहुत भयंकर होता है।

श्रीमद् देवी भागवत कथा प्रसंग के तीसरे दिन कथा वाचक रुचिता तिवारी ने कहा कि दुख आने पर हमारा साहस कम नहीं होना चाहिए, दुख मां का प्रसाद है। भोजन की याद भूख लगने से होता है। इस प्रकार लोग भगवती की याद दुख में करते हैं, सुख की प्रधानता नहीं दुख की प्रधानता है। जितना हो सके भजन करना चाहिए संसार दुखों का घर है।

भगवती की चरणों में भी सुख मिलता है। भजन करने पर भी सुख दुख आएगा। सेवा पुण्य कर रहे हो अपने लिए कर रहे हो किसी दूसरे के लिए नहीं कर रहे हो। भगवती से मुख नहीं मोड़ें, वास्तविक भक्त बनें, चतुराई भगवती मां कभी पसंद नहीं करती। जीवन में कभी दुख मिले या सुख प्रसाद समझ करके ग्रहण कर लें। दीपक की कीमत है क्योंकि अपने आप में जलती है, दूसरों से नहीं जलती। घड़ी की कीमत नहीं समय की कीमत है गाड़ी की कीमत नहीं सफर की कीमत है। वह ज्ञान क्या काम का जो अटारी में रखा हो ज्ञान को बांटें।

बीच चलकर दोनों हाथों से समन्वय बनाने का प्रयास किया

जल जगार : जल संरक्षण के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा महोत्सव गंगरेल बांध में शुरू

भास्कर दूत

रायपुर। धमतरी के पंडित रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में प्रदेश के सबसे बड़े जल महोत्सव जल जगार का शुभारंभ हो गया है। बांध के तट पर स्थित बरदिहा लेक रिजॉर्ट में आज सुबह कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी की मौजूदगी में आजीविका महाविद्यालय धमतरी के टूरिस्ट गार्ड सदस्य माधव सिंह ने वाटर बैलेंसिंग स्पोर्ट्स में भाग लेकर जल ओलंपिक की शुरुआत की। उन्होंने गंगरेल के पानी में बनाए गए बैलेंसिंग स्ट्रक्चर पर लहरों की बीच चलकर दोनों हाथों से समन्वय बनाने का प्रयास किया।

इसके बाद थ्रो रो इवेंट में नरहरा जलप्रपात जल प्रबंधन समिति की टूरिस्ट गाइड महिलाओं ने पानी में रस्साफेंक प्रतियोगिता में लिया भाग। समिति की 3 सदस्य श्रीमती सजवन, श्रीमती गणेश्वरी एवं श्रीमती टिकेश्वरी ने उत्साह के साथ नई प्रकार की गतिविधि में शामिल हुई। जल संरक्षण की दिशा में काम कर रही समिति के सदस्यों ने बताया कि सरकार द्वारा विशेष प्रयास के तहत लोगों को जल जागरुकता की दिशा में आगे बढ़ाने जल जगार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जो कि पानी के महत्व को बताने एवं संरक्षण की दिशा में अहम प्रयास है।

इस कार्यक्रम में जल से संबंधित कयाकिंग, स्वींमिंग, बनाना राईड, फ्री स्टाईल स्वीमिंग, फ्लैग् रैन, थ्रो रो, रिवर क्रॉसिंग जैसी प्रतियोगिता आयोजित किए जा रहे है। जिसका आनंद दर्शकगण पूरे परिवार के साथ उठा रहे है। जल जगार महोत्सव के लिए गंगरेल बांध में लाइफ जैकेट, मेडिकल किट सहित सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए गए है। कार्यक्रम स्थल को जल जागरुकता से युक्त स्लोगन, कविता आदि से युक्त बैनर पोस्टरों से सजाया गया है। प्रतियोगिता के आयोजन से गंगरेल बांध का तट आकर्षक एवं मनोरम हो गया है। विशाल जलसंग्रह में विभिन्न प्रकार के जेटस्की, बनाना राइड बोट, कयाकिंग नाव आदि की व्यवस्था की गई है। जिसमे प्रतिभागी उत्साह के साथ भाग ले रहे है।

शहरी गौठान में लापरवाही से हो रही गौवंश की मौत

अधिकारी दे रहे अजीबोगरीब तर्क

भास्कर दूत

बलौदा बाजार- बलौदा बाजार जिले के नगर पंचायत पलारी में स्थित शहरी गौठान में लापरवाही के चलते कई गौवंश की मौत हो रही है। मरे हुए मवेशियों के शव को गौठान के पीछे खाली मैदान में फेंक दिया जाता था, जिससे उठती बदबू से परेशान लोगों ने शिकायत की। इसके बाद आनन-फानन में मृत पशुओं को जमीन में गड्ढा खोदकर दफनाया गया।

200 से अधिक गौवंश शहरी गौठान में बंद:

इस शहरी गौठान में अभी भी 200 से अधिक गौवंश बंद हैं, जिन्हें नगर पंचायत ने नियमों के विपरीत वहां रखा है। इनमें से कई गायें अत्यधिक कमजोर हो चुकी हैं। इन गायों की दयनीय हालत देखकर किसी का भी दिल पसीज सकता है।

बाहर से आकर मरी हैं गायें:

मुख्य नगर पालिका अधिकारी इस बात को मानने से इनकार कर रहे हैं कि मरी हुई गायें शहरी गौठान की हैं। उनका दावा है कि ये सभी गायें बाहर से आकर मरी हैं। यह तर्क सवाल खड़ा करता है कि आखिर बाहर की गायें पलारी के शहरी गौठान के पीछे बने मैदान में ही क्यों मरेंगी? अधिकारियों द्वारा इस मामले में जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की जा रही है। वहीं, नगर पंचायत के पास गौठान में कुल कितनी गायें हैं, कितनी मर चुकी हैं, और कितनी बीमार हैं, इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है।

इस लापरवाही से न केवल स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है, बल्कि गौवंश की दुर्दशा पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक- **दुष्यन्त दास** द्वारा 602, अशोका रत्न, ब्लॉक नं. 14, 6th फ्लोर शंकर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एन्ड पब्लिशर्स, अनंत विहार कॉलोनी, दलदल सिवनी मार्ग , मोवा-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित । मो. 9406242401, (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा)। Email- bhaskardootraipur1@gmail.com